सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अर्शदीप और कुलदीप को बाहर रखने का गंभीर ने कारण बताया -पेज: 7

रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 214 | बुधवार 12 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अमित शाह ने एजेंसियों को दिए सख्त निर्देश, हर अपराधी की तलाश तेज

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली में हुए घातक कार विस्फोट की जाँच की समीक्षा की, जिसमें एक दिन पहले आठ लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने अधिकारियों को घटना में शामिल प्रत्येक अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, अमित शाह ने लिखा कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली कार विस्फोट पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक अपराधी की तलाश करने का निर्देश दिया। इस कृत्य में शामिल सभी लोगों को हमारी एजेंसियों के कड़े दंड का सामना करना पड़ेगा। बैठक दोपहर 3 बजे गृह मंत्रालय के कर्तव्य भवन स्थित कार्यालय में शुरू हुई। यह बैठक दो घंटे से अधिक के अंतराल के बाद आयोजित की गई। बैठक का पहला दौर सुबह 11

बजे गृह मंत्री के आवास पर हुआ। इसके बाद बैठक में गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते और दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। यह समीक्षा राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के बीच हुई है क्योंकि कई एजेंसियां लाल किला मेट्रो स्टेशन के

गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए घातक कार विस्फोट की गहन समीक्षा की, जिसमें आठ लोगों की जान गई। उन्होंने सभी एजेंसियों को इस 'संभावित आतंकवादी कृत्य' के पीछे के प्रत्येक अपराधी को पकड़ने का कड़ा निर्देश दिया, जिसके बाद जांच एनआईए को सौंप दी गई है ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

गेट 1 और 4 के बीच एक ट्रैफिक सिग्नल के पास शाम 7 बजे एक हुंडई 20 कार में हुए विस्फोट की जांच कर रही हैं। विस्फोट के तुरंत बाद, शाह ने दिल्ली पुलिस आयुक्त और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की थी और एनआईए, एनएसजी, एफएसएल और दिल्ली पुलिस को शामिल करते हुए एक समन्वित, बहु-एजेंसी जांच का निर्देश दिया था। सभी एजेंसियों को विस्फोट की प्रकृति और कारण की व्यापक जांच करने और जल्द से जल्द एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। पहले दौर की बैठकों के समापन के बाद, गृह मंत्रालय ने इसे एक संभावित आतंकवादी कृत्य मानते हुए मामले की जाँच एनआईए को सौंप दी। यह निर्णय विस्फोट की प्रकृति और उससे जुड़े संबंधों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है।

हरियाणा सरकार ने भूतपूर्व अग्निवीरों को दी सौगात... ऊपरी आयु सीमा में छूट

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने राज्य के मूल निवासी भूतपूर्व अग्निवीरों को सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सीधी भर्ती के दौरान ऊपरी आयु सीमा में छूट देने का निर्णय लिया है। भूतपूर्व अग्निवीरों को ग्रुप बी और ग्रुप सी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी। भूतपूर्व अग्निवीरों के पहले बैच के सदस्यों को आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट मिलेगी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। 17 जून को, भारत सरकार ने भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में संशोधन किया, जिसके तहत गृह मंत्रालय (एमएचए) को सशस्त्र बलों से चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों के करियर की प्रगति के समन्वय और सुविधा प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गृह मंत्रालय नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करेगा और विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ निकट समन्वय में काम करेगा। यह निर्णय भूतपूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा, केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा लागू करने की मांग पर केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना कहती है कि सभी नागरिक राजनीतिक और सामाजिक समानता के हकदार और उस यह हक मिलाना चाहिए हैं। इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक कौन है? महिलाएं हैं। यह (आंकड़ा) करीब 48 प्रतिशत के करीब है। यह (अधिनियम) महिलाओं की राजनीतिक समानता के बारे में है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसतरह के नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप करने को लेकर अदालतों की सीमाएं होती है। सुप्रीम कोर्ट ने असम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अंतिम रूप देने की मांग वाली याचिकाओं पर एनआरसी समन्वयक को नोटिस दे दिया है। ये याचिकाएं जमीयत उलेमा-ए-हिंद और ऑल असम माइनॉरिटीज स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से दायर की गई थी, जिसमें केंद्र को अंतिम एनआरसी के बाद की लंबित वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश की मांग की गई है।

अमृतपाल सिंह की नज़रबंदी को चुनौती देने वाली याचिका को सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत अपनी नजरबंदी को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इंकार किया है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिकाकर्ता को अपनी याचिका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने को कहा। पीठ ने उच्च न्यायालय से छह सप्ताह के भीतर सिंह की याचिका पर निर्णय लेने को कहा, ताकि मामले का जल्द निपटारा हो सके। सिंह के वकील ने कहा कि उनके मुवक्कि करीब दो साल से नजरबंदी में हैं और नजरबंदी का आधार एक ऐसी प्राथमिकी पर आधारित है जिसमें आरोपपत्र दायर हो चुका है और मुकदमा शुरू हो गया है। उन्होंने कोर्ट में तर्क देते हुए सोनम वांगचुक के मामले का भी हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि वांगचुक का मामला इसलिए अलग था क्योंकि उन्हें एक राज्य से दूसरे राज्य में निर्वासित किया गया था। बात दें कि अमृतपाल सिंह ने जेल में रहते हुए खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव जीता था। वह वर्तमान में एनएसए के तहत कथित अपराधों के लिए डिब्रूगढ़ जिले की जेल में बंद हैं। बात दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अमृतपाल सिंह की याचिका को सीधे सुनने के बजाय, उन्हें पहले उच्च न्यायालय में जाने का निर्देश दिया है, साथ ही उच्च न्यायालय को मामले का जल्द निपटारा करने के लिए समय सीमा भी दी है।

दिल्ली में धमाका करने वालों को पकड़े जाने पर दी जाए फांसी: धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। बागेश्वर धाम के आचार्य और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट की घटना पर प्रतिक्रिया दी। हरियाणा के पलवल में पदयात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि जब भी धमाके हुए, उसे कहीं ना कहीं एक कट्टरपंथी मजहबी विचारधारा के लोगों ने किया। हमेशा भारत को, भारत माता को, सनातन को टारगेट किया। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ वह घोर निंदनीय और अमानवीय है। भगवान से प्रार्थना है कि जिनका शरीर पूरा हुआ उन्हें वे अपने चरणों में स्थान दें। हम उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री ने अपील की कि कट्टर मजहबी पंथ की विचारधारा की सोच पर लगाम लगाने के लिए अब सनातनियों को एक होना पड़ेगा। तुम कितना भी भारतीयों को डरा दो, सनातनियों को डरा दो। ना हम डरेंगे और ना हम झुकेंगे। उन्होंने कहा कि इस देश में जब तक भारतीयों की एकता नहीं हो जाती है तब तक हम पदयात्रा करते रहेंगे। शास्त्री ने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि पकड़े जाने वालों को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और निर्बाध रूप से जारी रहेगी। हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही हैं। हम सभी भक्तों से अपील करते हैं कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

बता दें दिल्ली में सोमवार शाम को

लाल किले के पास जोरदार धमाका हुआ। ह्यूंडई आई20 कार ट्रैफिक सिग्नल पर रुकते ही उसमें धमाका हो गया, जिससे 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हैं। धमाके इतना जबरदस्त था कि आसपास की तीन-चार गाड़ियां और ऑटो रिक्शा आग की लपटों में घिर गए। खिड़कियां टूट गईं और धुंआ चारों ओर फैल गया। घटनास्थल लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास की है, जहां पर्यटक और स्थानीय लोग शाम के समय व्यस्त रहते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि दूर तक महसूस हुई और लोग भागते हुए गिर पड़े। दिल्ली पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया, जबकि फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने मामला यूएपीए और विस्फोटक अधिनियम के तहत दर्ज किया है। एनआईए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और स्पेशल सेल की टीमें जांच में जुड़ गई हैं।

दिल्ली धमाके पर बोले प्रशांत किशोर- चुनाव के समय ऐसी घटनाएं होती रहती हैं

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंगलवार सुबह जोर देकर कहा कि बिहार में मतदान राज्य के मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद राज्य में बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों को कम करके आंका। उन्होंने कहा, चुनावों के दौरान ऐसी घटनाएं कभी-कभार होती हैं। बिहार के लोगों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह बिहार का चुनाव है। मतदान बिहार के मुद्दों पर आधारित होना चाहिए। सुरक्षा के लिए, बिहार और देश की जनता ने संसद और सरकार को चुना है। सरकार जो भी जरूरी कदम उठाएगी, वह उठाएगी। उन्होंने मतदाताओं से आज पहले चरण के रिकॉर्ड को तोड़ने और बिहार में शिक्षा और रोज़गार प्रदान करने वाली एक नई व्यवस्था बनाने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि उसी व्यवस्था के लिए वोट

देकर गलती करने का मतलब होगा पांच साल उस भ्रष्टाचार के साथ बिताना जो आपको परेशान करता है। इस विस्फोट में 8 लोग मारे गए थे। प्रशांत किशोर ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा का जिम्मा चुनी हुई सरकार संभाल रही है और आश्वासन दिया कि सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान जारी है। अगले पांच साल उसी व्यवस्था के साथ बिताएंगे जो आपको परेशान करती है, उसी भ्रष्टाचार के साथ जो आपको परेशान करता है। मैं आज वोट देने जा रहा हूं। दिल्ली विस्फोट के मद्देनजर, आज सुबह शुरू हुए विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए बिहार के विभिन्न जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भागलपुर विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर तैनात सुरक्षाकर्मी, जहां कांग्रेस के अजीत शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रोहित पांडे के बीच सीधा मुकाबला होगा। प्रशांत किशोर ने कहा, मैं बिहार के लोगों से आज पिछले चरण के रिकॉर्ड मतदान को तोड़ने की अपील करता हूं। बिहार में बदलाव के लिए वोट करें। अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें। पहले चरण से भी ज़्यादा संख्या में वोट करें ताकि 14 नवंबर को बिहार में एक नई व्यवस्था बने। एक ऐसी व्यवस्था जो आपके बच्चों को शिक्षा और रोजगार दे।

दिल्ली विस्फोट के बाद हाई अलर्ट पर मुंबई, पुलिस ने महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच की

मुंबई (एजेंसी)। सोमवार शाम नई दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुंबई पुलिस ने तुरंत अपने सभी सिस्टम को तैयार कर लिया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच शुरू कर दी है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को हमेशा से ही आतंकवादी हमलों का निशाना माना जाता रहा है। इसलिए, दिल्ली विस्फोट के बाद मुंबई में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। आपको बता दें कि सोमवार शाम करीब 6.45 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना तीव्र था कि आसपास का इलाका दहल गया और तीन अन्य वाहनों में आग लग गई। दिल्ली विस्फोट की सूचना मिलते ही मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चर्चगेट, दादर, बांद्रा टर्मिनस जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर बम निरोधक टीमों के साथ दंगा नियंत्रण दल तैनात किए गए हैं। यहाँ यात्रियों के बैग और वाहनों की गहन जाँच की जा रही है। सीएसएमटी इलाका अब पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। शहर के धार्मिक स्थलों, बाज़ारों, होटलों, मॉल और अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर पुलिस की पैनी नज़र है। मुंबई पुलिस की विशेष शाखा ने अलग-अलग इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और लगातार गश्त कर रही है। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, संवेदनशील इलाकों में क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) को तैयार रखा गया है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि अगर उन्हें ट्रेन, बस स्टैंड, बाज़ार या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी संदिग्ध वस्तु, बैग या व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उनसे पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100 या स्थानीय पुलिस स्टेशन पर संपर्क करने की अपील की गई है। पुलिस ने कहा, आपकी सतर्कता ही हमारी ताकत है।

नोएडा सेक्टर-105 में महिला का सिर व कलाई कटे शव मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा के सेक्टर-105 इलाके में 6 नवंबर को एक महिला का सिर और दोनों कलाई कटे शव नाले में पाया गया। शव नग्न था और आसपास के क्षेत्र में महिला की पहचान का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने शव के पैर में पाए गए बिछुए की फोटो के आधार पर जनता से महिला की पहचान के संबंध में जानकारी देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, ग्राम सोरखा निवासी ने थाना सेक्टर-39 को सूचना दी कि नाले में किसी महिला का शव तैर रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पंचनामा किया। शुरुआती जांच में हत्या का मामला साफ दिखाई दिया। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष और कद करीब 5 फीट 1 इंच बताया जा रहा है। थाना सेक्टर-39 में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच अधिकारियों को सौंपी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और लापता महिलाओं की रिपोर्ट से मिलान किया जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि यदि किसी को महिला की पहचान के संबंध में जानकारी हो, तो तुरंत थाना सेक्टर-39 से संपर्क करें। पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी मामलें में भी किया बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को झकझोर देने वाले निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कोली से जुड़े अंतिम बचे मामले में भी उसकी सजा रद्द कर दी। अदालत ने कहा कि जब बाकी सभी मामलों में उसे बरी किया जा चुका है, तो समान साक्ष्यों के आधार पर इस एक मामले में सजा बरकरार रखना न्यायसंगत नहीं होगा। कोर्ट के इस फैसले के बाद कोली अब जेल से बाहर आ सकेगा, बशर्ते किसी अन्य मामले में वह वांछित न हो।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कोली की क्युरेटिव याचिका स्वीकार करते हुए उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने 15 फरवरी 2011 के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कोली की सजा बरकरार रखी थी। साथ

ही, 28 अक्टूबर 2014 का वह निर्णय भी रद्द कर दिया गया, जिसमें उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी गई थी।

पीठ ने कहा कि यदि अन्य मामलों में समान साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को निर्दोष पाया गया है, तो इस एक मामले में सजा देना न्याय की दृष्टि से असंगत होगा। जस्टिस विक्रम नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, कोली को सभी आरोपों से मुक्त किया जाता है। यदि वह किसी अन्य मुकदमे में वांछित नहीं है, तो उसे तुरंत रिहा किया जाए। सुरेंद्र कोली ने अपनी क्युरेटिव याचिका में यह तर्क दिया था कि जिन सबूतों के आधार पर उसे इस मामले में दोषी ठहराया गया था, वही सबूत अन्य मामलों में अविश्वसनीय माने गए थे और उन पर उसे पहले ही बरी किया जा चुका है।

गौरतलब है कि निठारी कांड में नोएडा के निठारी गांव से कई बच्चों और महिलाओं के लापता होने, हत्या और उनके अवशेष बरामद होने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में कोली और उसके मालिक मोनिंदर सिंह पंधेर पर कई मामलों में मुकदमे चले थे। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2025 में ही इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें दोनों आरोपियों को 14 मामलों में बरी कर दिया गया था। अब अंतिम मामला भी समाप्त होने के साथ ही सुरेंद्र कोली की कानूनी लड़ाई खत्म हो गई है।

मित्र शक्ति-2025: भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

जयपुर (एजेंसी)। बेलगावी,(ईएमएस)। भारत और श्रीलंका के बीच 11वां संयुक्त सैन्य अभ्यास ÷मित्र शक्ति-2025÷ आज कर्नाटक के बेलगावी स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में शुरू हो गया। 10 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत से राजपूत रेजिमेंट के 170 सैनिक और श्रीलंका से गजाबा रेजिमेंट के 135 जवान हिस्सा ले रहे हैं। दोनों वायुसेनाओं से 30 अधिकारी-कर्मी जुड़े हैं। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अध्याय 7 के तहत सब-कन्वेंशनल ऑपरेशंस, खासकर आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों में समन्वय बढ़ाना है। सैनिक छापेमारी, सर्च एंड डेस्ट्रॉय मिशन, हेलिबोर्न ऑपरेशन का अभ्यास करेंगे। आर्मी मार्शल आर्ट्स, कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी शामिल हैं।

श्रीलंका की गजाबा रेजिमेंट अनुराधापुरा के निकट सालियापुरा में स्थित है। 1980 में 100 एकड़ पर शुरू हुई यह इकाई राजराटा राइफल्स और विजयबाहु इन्फेंट्री की पहली बटालियनों के विलय से 1982 में बनी। शुरू में 30 सैनिकों से आरंभ होकर यह श्रीलंका की सबसे बहादुर रेजिमेंट बनी, जिसने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की राजपूत रेजिमेंट 1778 में स्थापित सबसे पुरानी पैदल सेना इकाई है। ÷वीर भोग्या वसुंधरा÷ इसका आदर्श वाक्य है। 1947, 1965, 1971 के युद्धों और कारगिल संघर्ष में इसने अद्वितीय शौर्य दिखाया। कठोर अनुशासन, प्रशिक्षण और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत राजपूत सैनिक रेगिस्तान से हिमालय तक हर चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। इस बार अभ्यास में ड्रोन, काउंटर-यूएएस सिस्टम का संचालन, हेलिपैड सुरक्षा, घायल निकासी और आपात समन्वय पर जोर है। आधुनिक तकनीकें दोनों सेनाओं की क्षमता बढ़ाएंगी। मित्र शक्ति से सैन्य सामंजस्य, रणनीति साझेदारी और अनुभव आदान-प्रदान मजबूत होगा। आतंकवाद- रोधी दक्षता बढ़ेगी, आत्मविश्वास मजबूत होगा। यह अभ्यास भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देगा, पड़ोसी देशों के बीच विश्वास और मित्रता को सुदृढ़ करेगा।

साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में हुई एक धोखाधड़ी (ठगी) की घटना से संबंधित है। ठाणे के वर्तक नगर इलाके का एक 50 वर्षीय कारोबारी (बुजुर्ग)। आरोपियों ने नारियल के व्यापार में भारी मुनाफे का झांसा देकर और पार्टनरशिप का प्रस्ताव रखकर पीड़ित से निवेश करवाया। साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की है। साइबर ठगी का यह काम सितंबर से दिसंबर 2024 के बीच किया गया। पुलिस ने बताया कि इस पूरे मामले में चार आरोपी शामिल बताए जा रहे है। आरोपियों ने भरोसा जीतने के लिए शुरुआत में पीड़ित को 1.59 लाख की आंशिक रकम दी। जब पीड़ित ने बाकी पैसे और मुनाफे की मांग की, तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में भुगतान से साफइंकार किया। पीड़ित ने वर्तक नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया है। तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश जारी है।

ट्रंप ने दिया टैरिफ कम करने का संकेत... इधर भारत यात्रा को तैयार हो रहे पुतिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद पहली बार कहा है कि वे टैरिफ को कम करने वाले हैं, क्योंकि भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील करीब-करीब पक्की होने वाली है। उन्होंने ये गुड न्यूज भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर के शपथ समारोह में कही। इस दौरान वे भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते सुधारने पर भी जोर देते दिखाई दिए, लेकिन उन्होंने एक बार फिर रूसी तेल का मुद्दा छेड़ दिया।

इस बीच रूस की ओर से पुष्टि की गई है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। क्रेमलिन की ओर से बताया गया है कि पुतिन की भारत यात्रा की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और साल 2025 के अंत से पहले ही इसके होने की उम्मीद है। पुतिन की यात्रा से ये बात साफ हो जाएगी कि ट्रंप के रूसी तेल खरीद वाले दावों में कितना दम है, क्योंकि न भारत और न ही रूस ने इसपर कोई बयान दिया है।

क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हम पुतिन की भारत यात्रा की सक्रिय तैयारी कर रहे हैं, जो इस साल के अंत से पहले होने की योजना में है। रिपोर्टों के मुताबिक इस शिखर बैठक के दौरान भारत और रूस के बीच एक लेबर मोबिलिटी एग्रीमेंट पर दस्तखत हो सकते हैं। समझौते के तहत आने वाले वर्षों में भारतीय नागरिकों को रूस में आधिकारिक तौर पर रोजगार मिलने की संभावना और बढ़ेगी। हालांकि पेस्कोव ने कहा कि समझौतों से जुड़ी आधिकारिक घोषणाएं समय आने पर होगी।

यह यात्रा खास इसलिए भी होगी क्योंकि पुतिन की यह 2021 के बाद पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले दोनों नेता इस साल 1 सितंबर को चीन के तिआनजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौता 3 अक्टूबर 2000 को हुआ था, जो आज भी दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत नींव है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भारत को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ताएं अच्छे स्तर पर हैं और यह भी दावा किया कि भारत ने रूसी तेल की खरीद में भारी कमी की है।

ट्रंप ने भारत के नए अमेरिकी राजदूत गोर के शपथ ग्रहण समारोह में कहा कि हम भारत के साथ एक नया और बेहतर समझौता करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए फायदेमंद सौदे के करीब हैं। इस दौरान ट्रंप पीएम मोदी की तारीफ कर कहा कि वे पीएम मोदी के साथ नियमित संपर्क में हैं और दोनों देशों के रिश्ते पहले से कहीं बेहतर हो रहे हैं।

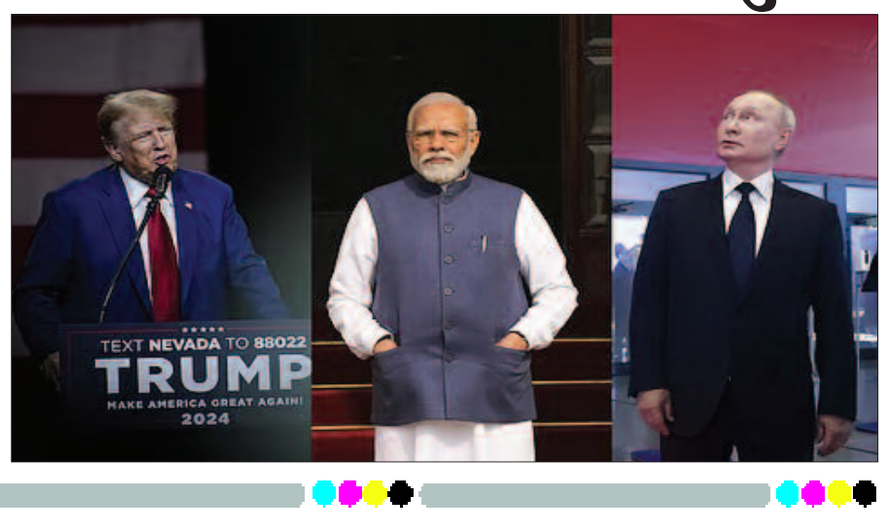

संपादकीय

आतंक की आहट, देश को रहना होगा अलर्ट

पिछले कुछ दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से आतंकियों के कई गुटों का जो भंडाफोड़ हुआ, वह चिंतित करने वाला ही है। यह गंभीर चिंता की बात है कि पढ़े-लिखे और यहां तक कि डाक्टर डिग्री धारक भी आतंक के रास्ते पर चल रहे हैं। इसी के साथ यह संतोष की बात भी है कि वे पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगाह में आ जा रहे हैं। इसके बाद भी यह कल्पना सिहरन पैदा करती है कि यदि खतरनाक इरादों से लैस इन आतंकियों को समय रहते पकड़ा न जाता तो वे किसी बड़ी तबाही का कारण बन सकते थे। इसका एक संकेत गत दिवस दिल्ली में लाल किले के पास एक कार में जोरदार धमाके से मिलता है। कई लोगों को हताहत करने वाले इस धमाके की प्रकृति और उसकी तीव्रता किसी आतंकी करतूत की ओर ही इशारा कर रही है। इसी कारण इस घटना की जांच में आतंक निरोधक एजेंसियां भी जुट गई हैं। इस दहशत पैदा करने वाली घटना के ठीक पहले गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने जिन तीन संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा, उनमें एक हैदराबाद का डाक्टर है। उसके दो साथी उत्तर प्रदेश के हैं। उनके पास से तीन पिस्टल और कारतूस के साथ घातक जहर राइसिन बनाने वाली सामग्री मिली है। इन आतंकियों की गिरफ्तारी के अलावा जम्मू-कश्मीर और हरियाणा पुलिस ने तीन डाक्टरों समेत सात ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो विस्फोटक जमा कर रखा था। इनमें एक महिला डाक्टर भी है। शेष में मौलवी और छात्र हैं। इनके पास से राइफल, पिस्टल, टाइमर आदि भी मिले हैं। साफ है कि अब यह धारणा सही नहीं रही कि अशिक्षित और गरीब मुस्लिम युवा ही आतंक की ओर उन्मुख होते हैं। पिछले कुछ वर्षों का देश और दुनिया का अनुभव यही बताता है कि अब पढ़े-लिखा मुस्लिम युवा आतंकी बनना अधिक पसंद कर रहे हैं। वे केवल आइएस, अलकायदा, जैश और लश्कर जैसे खूंखार आतंकी संगठनों से ही नहीं जुड़ रहे हैं, बल्कि खुद के आतंकी गुट बनाने का भी दुस्साहस कर रहे हैं। इसकी अनदेखी न की जाए कि बीते दिनों कर्नाटक की जेल में बंद एक आंतकी मोबाइल से फंड जुटाते मिला तो ग्रेटर नोएडा में एक अन्य मजहबी उन्माद भड़काने वाली किताबों का प्रकाशन करते हुए। यह सही है कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता, लेकिन इसमें भी कोई संदेह नहीं कि मजहब की आड़ लेकर भी आतंक के रास्ते पर चला जा रहा है। एक के बाद एक कई आतंकी गुटों के भंडाफोड़ के बीच दिल्ली की घटना केवल यही नहीं बताती कि सुरक्षा एजेंसियों को और अधिक सतर्क रहना होगा, बल्कि इसकी भी मांग करती है कि मुस्लिम समाज का राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक स्तर पर नेतृत्व करने वाले यह देखें कि किन कारणों से उनके युवा आतंक की राह पर चल रहे हैं?

दिल्ली में फि र बम विस्फोट : सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल?

दिलीप कुमार पाठक

दिल्ली देश की जान है, दिल्ली की हलचल पूरे देश को सुनाई देती है, यही कारण है कि पूरे देश में अलर्ट जारी कर दिया गया। दिल्ली की शाम खामोश नहीं थी, हवा में सिक्योरिटी सायरनों की आवाज गूंज रही थी, और लोगों की आँखों में दहशत साफ झलक रही थी। सोमवार को ठीक 6 बजकर 52 मिनट पर, लाल कि ला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के बाहर खड़ी आई-20 कार में ऐसा जोरदार धमाका हुआ कि पूरा इलाका काँप उठा। तेज धमाके से हवा में धुआँ उठता दिखा, लोग चीखते हुए भागे, और देखते-देखते सड़क खून और अफरातफरी के मंजर में बदल गई। इस दर्दनाक वारदात में 2 महिलाओं सहित 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई लोग इतनी बुरी तरह झुलस गए कि पहचान मुश्किल हो गई। किसी का शरीर दूर फेंक गया, तो किसी के अंग सड़क पर बिखरे पड़े थे। मरने वालों की उम्र 21 से 58 साल के बीच बताई जा रही है। जांच में सामने आया कि विस्फोट कार के रियर हिस्से में हुआ। धमाका इतना भयानक था कि आवाज एक किलोमीटर तक सुनाई दी। आसपास खड़ी 6 कारें, 2 ई-रिक्शा, और 1 ऑटो आग की लपटों में जलकर राख हो गए। चांदनी चौक से लेकर लाल कि ले तक दुकानदार दहशत में दुकानें बंद कर भागते नजर आए। पुलिस के अनुसार जिस कार में धमाका हुआ, वो गुरुग्राम के सलमान के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। सलमान का कहना है कि उसने कार पुलवामा के तारिक को बेची थी। अब तारिक फरार है, और पुलिस अभी जांच में जुटी हुई है। धमाके को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियाँ आत्मघाती हमले के एंगल से भी जांच कर रही हैं, परंतु मौके पर आरडीएक्स के निशान नहीं मिले।

फिर भी देशभर के बड़े शहरों दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, जयपुर को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया है। धमाके के कुछ ही मिनटों बाद घायलों और शवों को एलएनजेपी अस्पताल लाया गया। अस्पताल घटना स्थल से सिर्फ ढाई किलोमीटर दूर था, इसलिए सबसे पहले वहीं मरीज पहुंचे। अस्पताल की इमरजेंसी में अचानक लाशों और घायलों की बाढ़ आ गई। कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में थे। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मास कैजुअल्टी घोषित कर डॉक्टरों, नर्सों और बर्न स्पेशलिस्ट को ड्यूटी पर बुलाया।

एक डॉक्टर ने बताया कि कई मरीजों की हालत बेहद नाजुक है। एक का पैर कट चुका है, किसी की आंख और दिमाग पर गंभीर चोट है, कई पूरी तरह झुलस गए।यहाँ तक कि धमाके की आवाज से ही एक व्यक्ति को हार्ट अटैक हो गया। अस्पताल के बाहर परिजनों की चीखें और बेबसी का दर्द दिल दहला रहा था। दमकल विभाग ने लगभग 37 मिनट तक आग से लड़ाई लड़ी। आखिर 7:29 बजे तक आग बुझा दी गई, पर तब तक कई गाड़ियाँ खाक हो चुकी थीं। मौके पर बची रह गई सिर्फ जलती रबर की बदबू, धुआँ, और टूटे शीशों की आवाज।

रात करीब साढ़े नौ बजे गृहमंत्री अमित शाह खुद एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे, घायलों से मिले, डॉक्टरों से बात की। इसके बाद वे घटनास्थल पर गए और जाँच एजेंसियों को हर एंगल से जांच का आदेश दिया। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पूरी घटना पर लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। दिल्ली धमाके के तुरंत बाद राजस्थान बॉर्डर पर पाकिस्तान ने एयरफोर्स की पेट्रोलिंग तेज कर दी। पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी इमरजेंसी मीटिंग में जुटे, और रातभर पीएम शहबाज शरीफ, एनएसए व डीजी आईएसआई मीटिंग करते रहे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नतीजा साफ है दिल्ली फिर घायल है, देश सवालों से भरा है, और जनता दहशत की छाया में। गृह मंत्रालय को इसकी सूचना तक नहीं मिली और इतना बड़ा हादसा कैसे हो गया ? गाड़ी में कौन था? किसने प्लान किया? मकसद क्या था?ह्न ह्नजांच अभी जारी है। जिस इलाके में विस्फोट हुआ है वो इलाका दिल्ली का सबसे प्रमुख इलाका है, वहाँ से कुछ किलोमीटर की दूरी पर संसद भवन, जामा मस्जिद, कॅनॉट प्लेस आदि हैं, और यह ब्लास्ट छोटी घटना नहीं है,। पूरा देश रातभर जागता, सहमा रहा, अब तक इस ब्लास्ट के ये सब जवाब मिलना बाकी हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

लोकतंत्र विश्वास से चलता है, आरोपों से नहीं!

सोनम लववंशी

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती उसकी संस्थाओं की संरचना में नहीं, बल्कि उस भरोसे में है, जिसके आधार पर मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँचता है और अपने निर्णय से सत्ता की दिशा बदल देता है। यह भरोसा वर्षों की परंपरा, संघर्षों, आंदोलनों और संवैधानिक विकास की धारा से निर्मित हुआ है। इसलिए जब चुनावों के बाद बार-बार यह कहा जाने लगे कि 'वोट चोरी हो गए', 'जनादेश छीना गया', या 'परिणाम साज़िश का हिस्सा हैं', तो यह आरोप केवल किसी एक दल या प्रक्रिया पर नहीं लगते। ये आरोप सीधे-सीधे जनता की निर्णय क्षमता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर खड़े होते हैं। हाल के वर्षों में राहुल गांधी, कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों द्वारा यह कथा बार-बार दोहराई गई है कि चुनावों में हार इसलिए हुई क्योंकि मतदान मशीनों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, चुनाव आयोग स्वतंत्र नहीं है, और संस्थाएँ सत्ता के दबाव में हैं। यह तर्क सतह पर आकर्षक और भावनात्मक है क्योंकि इससे हार का भार नेतृत्व या नीतिगत त्रुटियों पर नहीं, बाहरी कारणों पर डाल दिया जाता है। परंतु चुनावों का वास्तविक विश्लेषण बताता है कि भारतीय मतदाता परिणामों को बहुत तेजी से बदल देता है, और इस बदलाव को मशीन या साज़िश के आधार पर व्याख्यायित नहीं किया जा सकता।

पिछले दस वर्षों में ही देखें, तो दिल्ली में दो बार आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला, पंजाब में कांग्रेस सत्ता में आई और बाद में वही पंजाब आम आदमी पार्टी ने जीत लिया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने अपेक्षा से कहीं अधिक बढ़त ली, जबकि केरल में वाम मोर्चा लगातार सत्ता में लौटा, तमिलनाडु में डीएमके जीती, और तेलंगाना में हाल ही में कांग्रेस की वापसी हुई। इन सभी राज्यों में वही ईवीएम चलीं, वही चुनाव आयोग था, वही तंत्र। यदि मशीनें पक्षपाती होतीं, तो परिणामों में इतनी विविधता और सत्ता-परिवर्तन संभव ही नहीं होता। ऐसे में यह तथ्य अपने आप में वोट-चोरी की कथा को खारिज कर देता है। इसी प्रकार, 2018 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में आई थी। उस समय राहुल गांधी ने यह नहीं कहा कि ईवीएम ठीक नहीं थीं। उसी मध्य प्रदेश में भाजपा का कुल वोट प्रतिशत कांग्रेस से अधिक था, लेकिन कुछ सीटों पर मामूली अंतर ने सरकार बदल दी। तब यह कहा गया कि जनता ने परिवर्तन की इच्छा जताई है, लोकतंत्र ने अपनी शक्ति सिद्ध की है। यह रुख परिपक्व था। परंतु जब वही अंतर विपरीत स्थिति में कांग्रेस के विरुद्ध जाता है, तो वही परिणाम अचानक 'षड्यंत्र' या 'वोट चोरी' कैसे हो जाते हैं?

यहाँ समस्या केवल बयानबाजी की नहीं है, बल्कि उस मानसिकता की है जहाँ हार को स्वीकारने में संकोच होता है। लोकतंत्र में जीत और हार दोनों राजनीतिक दलों की यात्रा का अंग हैं। पराजय का अर्थ यह नहीं कि जनता भ्रमित थी; इसका अर्थ है कि जनता ने इस बार दूसरे को अधिक योग्य माना। इसे स्वीकारना एक राजनीतिक परिपक्वता है। अब बात आती है युवाओं और जेन-जी को यह संदेश देने की कि 'तुम्हारा भविष्य तुमसे छीना जा रहा है।' यह कथन दरअसल भावनात्मक है और स्वभावतः युवाओं पर प्रभाव डालता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में भारतीय लोकतंत्र युवा अवसरों को सीमित कर रहा है? भारत में आज युवा उद्यमिता, शिक्षा, कौशल और रोजगार पर बहस का दायरा बढ़ा है। युवा राजनीतिक रूप से पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और सक्रिय हैं। उन्हें नेतृत्व जगाने की आवश्यकता है, उकसाने की नहीं। उन्हें यह बताना कि व्यवस्था ही उनकी विपक्षी है, उनके भीतर अविश्वास और टकराव की प्रवृत्ति पैदा करता है, जो लोकतंत्र के लिए भी और समाज के लिए भी घातक हो सकता है।

चुनाव वह प्रक्रिया है जिसमें मतदाता को पूरा अधिकार है, कि वो असंतोष, नाराजगी या समर्थन व्यक्त करे। भारतीय मतदाता आज भावनात्मक नहीं, अनुभवजन्य वोट देता है। वह सड़क, बिजली, सुरक्षा, आजीविका और जीवन की गुणवत्ता के आधार पर निर्णय लेता है। ऐसे मतदाता को यह कहना कि उसका दिया गया जनादेश धोखा है। उसकी बौद्धिक क्षमता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा है। यह सही है कि लोकतंत्र में संस्थाओं की समीक्षा होनी चाहिए। आलोचना आवश्यक है। सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए प्रश्न उठाने चाहिए। लेकिन आलोचना और अविश्वास दो भिन्न चीजें हैं। आलोचना सुधार की ओर ले जाती है, अविश्वास व्यवस्था को अंदर से खोखला करता है। और यदि लोकतंत्र में अविश्वास के बीज बो दिए जाएँ, तो अंततः हार किसी दल को नहीं जनता को होती है इसलिए यह आवश्यक है कि राजनीतिक नेतृत्व यह समझे कि चुनाव लोकतंत्र का अंत नहीं, केवल चरण है। हार-जीत बदलती रहती है। कोई भी सत्ता स्थायी नहीं है। पर जनता पर से विश्वास हट जाए तो लोकतंत्र केवल इमारत बनकर रह जाता है, जिसमें जीवन नहीं होता। भारतीय लोकतंत्र की असली शक्ति वह मतदाता है, जो हर चुनाव में यह संकेत देता है सत्ता जनता की है, और जनता जब चाहे दिशा बदल सकती है। यही सत्य है, यही संतुलन है, और यही इस देश की सबसे बड़ी राजनीतिक स्थिरता भी।

चिंतन-मनन

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है-

दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है! एक ने कहा, हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है। दूसरा कहता है, खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं। टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या।

हमारी दोनों प्रकार की समस्याएं हैं-काल्पनिक समस्याएं और यथार्थ समस्याएं। ये हमारे मनोबल को कमजोर करती हैं। जिस व्यक्ति का मनोबल कम होता है, वह व्यक्ति इस दुनिया में अपराधी का जीवन जीता है। दुर्बलता खुद एक अपराध है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि 'ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं'। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में 'हिंदुत्व' का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है?

संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, 'हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।' इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मजहब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से 'हिंदू' अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में 'हिंदू' शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है।

आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकताओं को 'हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता" का लक्ष्य देता है।

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि 'जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है।' यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- 'मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।' यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे।

संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए।

इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि 'भारतीयता' हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। इस दिशा में संघ का दृष्टिकोण 'समरस समाज' की रचना पर केंद्रित है? ऐसा समाज जहाँ मुसलमान, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी सभी अपने धर्म का पालन करते हुए भी राष्ट्र को अपनी मातृभूमि मानें और भारतीय संस्कृति के गौरव से जुड़ें। मोहन भागवत के बेंगलुरु वक्तव्य ने हिंदुत्व की परिभाषा को एक व्यापक और आधुनिक संदर्भ दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघ का हिंदुत्व किसी के विरुद्ध नहीं, बल्कि सबके लिए है। यह विभाजन नहीं, समन्वय का सूत्र है। यही सच्ची भारतीयता है- जो विविधताओं में एकता को, विरोध में संवाद को और मतभेद में सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है। संघ का यह दृष्टिकोण बताता है कि हिंदुत्व का अर्थ किसी पंथ का वर्चस्व नहीं, बल्कि उस जीवनदर्शन का पुनर्जागरण है जिसमें भारत की आत्मा बसती है। यही भाव राष्ट्र को अखंडता, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करेगा।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जनपद में महिला उत्पीड़न प्रकरणों की सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जनपद भ्रमण के दौरान मंगलवार को विकास भवन सभागार में विभागों में संचालित महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक तथा जनपद में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जनसुनवाई की गई। अध्यक्ष द्वारा कई महिलाओं की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया और शेष के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। विकास भवन सभागार में अधिकारियों के साथ महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गयी, जिसमें अध्यक्ष द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि समस्त महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं को अधिक से अधिक जनसामान्य को लाभपहुंचाने के लिए ग्राम स्तर पर चौपाल का आयोजन किया जायें। समीक्षा बैठक के उपरान्त अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा महिला जनसुनवाई की गयी, जिसमें कुल 16 शिकायत प्राप्त हुयी, जिसमें 03 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया शेष 13 शिकायतों को निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभागों को कड़े निर्देश जारी किये गये। साथ ही निर्देश दिये गये कि महिलाओं से सम्बन्धित शिकायतों का गम्भीरतापूर्वक निस्तारण करें। अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत 02 लाभार्थियों, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत 05 बच्चों को तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गत 05 बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। बैठक में मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना की लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम एवं महिला कल्याण विभाग, बाल विकास व पुष्टाहार विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्गकल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उद्योग विभाग, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, पंचायती राज विभाग, कौशल विकास विभाग, परिवहन विभाग, मातृ शिशु एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के उपरान्त उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा डॉ0 बबीता सिंह चौहान एवं सदस्या संगीता जैन द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया, जिसमें साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति सन्तोषजनक पायी गयी। कार्यक्रम/समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी अमरोहा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अमरोहा, पुलिस क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात, जिला विकास अधिकारी अमरोहा, जिला पंचायत राज अधिकारी अमरोहा, उपायुक्त, जिला उद्योग केन्द्र अमरोहा, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमरोहा, जिला पिछडा वर्ग अधिकारी अमरोहा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अमरोहा, जिला कार्यकम अधिकारी अमरोहा, जिला सूचना अधिकारी अमरोहा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अमरोहा, थाना अध्यक्ष, महिला थाना जनपद अमरोहा, प्रभारी अधिकारी, नारी उत्थान जनपद अमरोहा, प्रभारी, कौशल विकास केन्द्र अमरोहा एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय के समस्त कार्मिक उपस्थित रहें।

पुलिस अधीक्षक के कड़े प्रयासों से प्रदेश भर में जनपद को आईजीआरएस में प्रथम स्थान प्राप्त

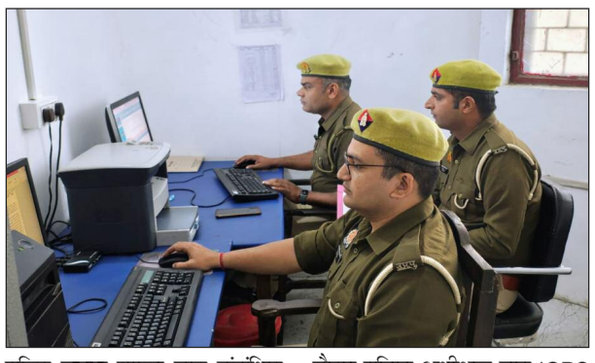

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री का महत्वकांक्षी आई0जी0 आर0एस0 जनसुनवाई-समाधान पोर्टल जिसमें आम-जन द्वारा अपनी समस्या हेतु ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार शासन द्वारा की गयी है जिसकी समीक्षा स्वंय मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक माह की जाती है तथा प्रत्येक जनपद का मासिक मूल्यांकन कर प्रत्येक माह रैंकिग का निर्धारण मुख्यमंत्री के आदेशानुसार शासन स्तर पर किया जाता है । ऑनलाइन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल कक्षक से प्राप्त शिकायतों का पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारित किया गया जिसके फलस्वरुप माह अक्टूबर-2025 में प्रदेश स्तर पर जारी की गई रैंकिंग में जनपद व जनपद के समस्त 14 थानों को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आपको बता दें कि पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को त्वरित व समयबद्ध निस्तारण हेतु समस्त अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को लगातार निर्देशित किया जाता है एवं जनसुनवाई पोर्टल कक्षक के कार्यों की स्वयं मॉनिटरिंग की जाती है। जनसुनवाई पोर्टल से प्राप्त शिकायतों को पुलिस कार्यालय में गठित कक्षक शाखा द्वारा संबंधित थानों को प्रेषित की जाती है। जिसे सभी थाना के प्रभारियों द्वारा प्राप्त संदर्भों की जांच आख्या ऑनलाइन दिए गए समय सीमा के अंदर संबंधित को प्रेषित की जाती है और आवेदक पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट है कि नहीं इसका फीडबैक IGRS शाखा में नियुक्त कर्मचारियों द्वारा लिया जाता है। जिसके क्रम में कक्षक शाखा में नियुक्त पुलिसकर्मी आरक्षी सारुल चौहान, आरक्षी प्रशान्त चौहान, आरक्षी प्रदीप बालियान द्वारा लगन व निष्ठा से कार्य किया गया है जिसके परिणामस्वरुप जनपद को माह अक्टूबर-2025 में IGRS के निस्तारण में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में जनपद व जनपद के 14 थानों ने आई0जी0आर0एस0 रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा IGRS में नियुक्त उपरोक्त पुलिसकर्मियों के कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया है।

आई0जी0आर0एस0 जनसुनवाई समाधान पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो का आई0जी0आर0एस0 शाखा द्वारा पूरे माह प्रत्येक दिवस 24 घंटे पर्यवेक्षण कर संबंधित थानों से आवेदक की समस्या का निराकरण कराते हुए गुणवत्ता पूर्ण आख्या प्राप्त कर तथा उनका स्वंय अवलोकन कर निर्धारित समयावधि में पोर्टल पर अपलोड करायी गयी जिसके परिणाम स्वरुप जनपद अमरोहा व जनपद के समस्त 14 थानों को प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ जिसमें जनपद को पूर्णांक 135 में से 135 अंक प्राप्त हुए ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हापुड़ पर किया गया पोषण पोटली वितरण

पोषण पोटली पाकर मरीजों के चेहरे खिले

हापुड़ (सब का सपना):- भारत सरकार के कार्यक्रम प्रधान मंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के कुशल निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी, के कुशल नेतृत्व में जनपद में आज बाबू रामचरण दास स्मारक सामुदायिक स्वास्थ केंद्र हापुड़ पर शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सत्तर टी0 बी0 रोगियों को पोषण पोटली वितरण किया गया इस अवसर पर जिला पी0 पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी, ने मरीजों व मरीजों के साथ आए तीमारदारों को क्षय रोग के लक्षण उपचार व निदान किस विषय में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को यदि दो सप्ताह से अधिक की खासी है खासी में बलगम आता है बलगम में खून आता है छाती में दर्द रहता है भूख कम लग रही है वजन कम हो रहा हैं रात में सोते समय कमर में पसीना आता है या शरीर के किसी भी अंग में गांठ हो रही है यह सब टी0 बी0 के लक्षण है यदि किसी व्यक्ति को यह लक्षण दिखाई देते हैं तो अपने नजदीकी सरकारी चिकित्सा संस्थान में जाकर जांच करानी चाहिए और यदि जांच के बाद बीमारी आती है तो उस व्यक्ति को चिकित्सक के परामर्श अनुसार दवाइयां लेनी चाहिए भारत सरकार द्वारा टी0 बी0 रोगियों के लिए समस्त जांच एवं दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध है साथ ही भारत सरकार द्वारा निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत प्रत्येक मरीज को ड्1000 रुपया प्रतिमाह मरीज के बैंक अकाउंट में दिया जाता है इसके साथ-साथ कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं एवं औद्योगिक घरानों द्वारा भी पोषण पोटली देकर मरीजों की सहायता की जा रही है इसी के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ केंद्र हापुड़ पर शालोम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अजीत सिंह, क्षमा सिंह, प्रदीप कुमार, संजय कुमार, नितिन गर्ग, नीरज कुमार, भारती सिंह, बिंदु, वंदना, अंशिका, व सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ समरेंद्र राय, जिला पी0 पी0 एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक हसमत अली, टी0 बी0 एच वी राजकुमार सिंह, आदि उपस्थित रहें।

नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज के मैदान पर न्याय पंचायत रजबपुर की खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज के मैदान पर न्याय पंचायत रजबपुर की खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ वरिष्ठ शिक्षक संकुल तेजपाल सिंह व ब्लॉक व्यायाम शिक्षक शपुरूजित सिंह ने किया । जिसका परिणाम इस प्रकार रहा- प्रा॰ स्तर 50 मी- दौड़ (बालक वर्ग)में अर्श-स॰ वि॰ रजबपुर- प्रथम , मयंक - प्रा॰वि॰ फरीदपुर- द्वितीय,जयंत- स॰वि॰ ईंट का रड़ा- तृतीय स्थान प्राप्त किया।50 मी- दौड़ (बालिका वर्ग) में वरीशा,अरीबा,अलिखा- स॰वि॰ रजबपुर-क ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100मी दौड़ (बालक वर्ग) में मयंक,जयंत,साहिब ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त किया।100मी दौड़ (बालिका वर्ग) में वरिशा,अलिखा,अरीबा ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मी दौड़ प्राथमिक स्तर (बालक वर्ग) में अर्श, खुफि यान, अरहम ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।200 मी दौड़ प्राथमिक स्तर (बालिका वर्ग) में वरिशा, अरीबा,सूफी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।400 मी दौड़ प्राथमिक स्तर (बालक वर्ग) में साहिब, अर्श,युग ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।400 मी दौड़ प्राथमिक स्तर (बालिका वर्ग) में वरिशा,अरीबा,अलिखा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद प्राथमिक स्तर (बालक वर्ग) में जयंत,मयंक, राघव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया । लंबी कूद प्राथमिक स्तर (बालिका वर्ग) में अरीबा ,वरिशा, अंशिका ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया । उ॰प्रा॰ स्तर बालक वर्ग 100 मी दौड़ में वंश कुमार, शानिब,अलश्मद ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।उ॰प्रा॰ स्तर बालक वर्ग 100 मी दौड़ में वंश कुमार, शानिब,अलश्मद ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।उ॰प्रा॰ स्तर बालिका वर्ग 100 मी दौड़ में अर्शी, मीनस ,सना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। उ॰प्रा॰ स्तर बालक वर्ग 200 मी दौड़ में वंश कुमार, अलश्मद, शानिब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।उ॰प्रा॰ स्तर बालिका वर्ग 200 मी दौड़ में अर्शी, मीनस ,सना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया ।उ॰प्रा॰ स्तर बालक वर्ग 400 मी दौड़ में शानिब, अलश्मद, हमजा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।उ॰प्रा॰ स्तर बालिका वर्ग लंबी कूद में वंश ,आरिश,शानिब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। उ॰प्रा॰ स्तर बालिका वर्ग लंबी कूद में अर्शी ,अनम, कविता ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।उ॰प्रा॰ स्तर कबड्डी बालक एवं बालिका वर्ग में उ॰प्रा॰वि॰कासमपुर मझरा विजयी रहा।उ॰प्रा॰ स्तर खो-खो बालक एवं बालिका वर्ग में उ॰प्रा॰वि॰कासमपुर मझरा विजयी रहा। उ॰प्रा॰ स्तर गोला फैक बालक एवं बालिका वर्ग में उ॰प्रा॰वि॰कासमपुर मझरा विजयी रहा।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराने में तेजपाल सिंह, भारत राम, अनिल कुमार, प्रदीप कुमार गौतम, पुरुजित सिंह, मतीन अहमद, रूपेंद्र सिंह, सुनील कुमार, वीरेंद्र सिंह, सुभाष चंद्र,राकेश चहल, अमरपाल सिंह, अनिल कुमार, रेनू सिंह,अभिलाषा वत्स, ममता, सीमा आदि अध्यापकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत उद्योग इकाईयाँ स्थापित करने के लिए करें आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया को मुख्य कार्यपालक अधिकारी , उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनान्तर्गत जनपद को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 12 इकाई तथा 60.00 लाख रू० पूंजीनिवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजनान्तर्गत केवल ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण व सेवा उद्योग की इकाईयाँ स्थापित की जा सकती है, परियोजना का अधिकतम आकार रू0 10.00 लाख तक है तथा वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह की पहली तारीख से 18 वर्ष से ऊपर एवं 50 वर्ष तक की आयु के पुरुष/महिला उद्यमी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन हेतु फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, परियोजना रिपोर्ट, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, तकनीकी योग्यता प्रगाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, ग्रागीण क्षेत्र में कार्यशाला होने का प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि आवश्यक हैं। योजना के अन्तर्गत लाभार्थियो को ब्याज उपादान सब्सिडी देने का प्रावधान है। सामान्य श्रेणी के पुरूष को कुल परियोजना लागत में निर्धारित पूंजीगत ऋण पर बैंक द्वारा प्रभारित ब्याज में से 4 प्रतिशत ब्याज उद्यमी द्वारा वहन किया जायेगा, शेष ब्याज का भुगतान ब्याज उपादान के रूप में 05 वर्षों तक प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत घटते क्रम में शेष पूंजीगत ऋण पर अनुमन्य है एवं आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, भूतपूर्व सैनिक एवं दिव्यांग) को कुल परियोजना लागत में निर्धारित पूंजीगत ऋण पर बैंक द्वारा प्रभारित ब्याज की धनराशि ब्याज उपादान के रूप में 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष घटते हुए क्रन में पूजीगत ऋण पर 05 वर्षों तक अनुमन्य रहेगा। इच्छुक बेरोजगार युवक /युवतियों/ महिला/ पुरूष अपना आवेदन पत्र upkvib.gov.in पर दिनांक 30.11. 2025 तक ऑनलाईन कर सकते है। योजना व आवेदन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेडा रोड, मौ० पुष्करनगर, निकट रेलवे स्टेशन, अमरोहा से प्राप्त की जा सकती है।

यातायात जागरूकता संगोष्ठी आयोजित, छात्रों को दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

संभल(सब का सपना):- यातायात माह नवंबर के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन और क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी के नेतृत्व में जनपद संभल में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में शंकर भूषण इंटर कॉलेज, संभल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा संकेतों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों से यातायात नियमों से संबंधित प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान ने किया। इस अवसर पर बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग रहने, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया। पुलिस प्रशासन की इस पहल से छात्रों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता संगोष्ठी का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात माह के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के कुशल दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जनपद यातायात पुलिस द्वारा मॉडर्न गुरुकुल इंटर कॉलेज, अमरोहा में एक यातायात जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यातायात उप निरीक्षक अनुज कुमार मलिक ने छात्र, छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्हें बताया गया कि सड़क पर चलते समय नियमों का पालन करना, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करना, तथा ओवरस्पीड और मोबाइल फोन का प्रयोग न करना जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।संगोष्ठी के दौरान छात्र छात्राओं को विभिन्न यातायात संकेतों और चिन्हों की जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक जीवन में यातायात अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापको स्कूली वाहन चालकों एवं छात्र छात्राओं ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई और अपने परिवार व समाज में भी यातायात जागरूकता फैलाने का संदेश देने का वचन दिया गया। अंत में यातायात पुलिस अमरोहा द्वारा सभी को यह संदेश दिया गया कि "सुरक्षित यातायात ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा हैं।

महिलाओं को सुरक्षा के साथ दिया जा रहा सम्मान- डॉ. बबीता सिंह चौहान

अमरोहा (सब का सपना):- उ.प्र. राज्य महिला आयोग, (राज्यमंत्री स्तर प्राप्त) अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन की उपस्थिति में जिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई और छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। इसके साथ जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इसके उपरांत राजकीय बालिका इण्टर कालेज में शक्ति संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने जिला अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं और साफ-सफाई के लिए समस्त स्टाफ सहित सीएमएस की प्रशंसा की। अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में बेटियों के जन्मोत्सव की शुरूआत का श्रेय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को देते हुए कहा कि आज बेटियों के जन्म पर खुशियाँ मनाई जा रही हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. चौहान ने कहा कि पहले लोग बेटियों की महत्ता नहीं समझते थे, लेकिन आज मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रमों के तहत गर्भ से लेकर शिक्षा, विवाह और नौकरी तक बेटियों की पूरी सुरक्षा और सशक्तिकरण की व्यवस्था हो रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वृद्धावस्था पेंशन से लेकर नौकरी के अवसर तक हर क्षेत्र में महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। डॉ. चौहान ने जोर देकर कहा कि जब आधी आबादी मुख्य धारा से जुड़ेगी, तो देश आगे बढ़ेगा। उपस्थित अभिभावकों से कहा कि बेटी को अच्छे संस्कार और शिक्षा दें जिससे वो पढ़ लिख कर विभिन्न क्षेत्रों में आपका और देश का मान बढ़ाए। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में उन्होंने बालिकाओं से संवाद करते हुए उनसे हेल्पलाइन नंबर, महिलाओं और बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं और उनसे उनके लक्ष्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत का उदाहरण देते हुए कहा यह महिला सशक्तिकरण का बड़ा उदाहरण है। डॉ. चौहान ने सभी बालिकाओं से जागरूकता और सकारात्मक सोच की अपील की और कहा, दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई करें और जीवन में सफल हों। उन्होंने सभी बालिकाओं से दृढ़ संकल्पित होकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए लगन से पढ़ाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज सरकार द्वारा बालिकाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ उनको सुरक्षा और सम्मान दिया जा रहा है। महिलाओं के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, सीएमएस डॉ ए0के0 भंडारी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजी भाकियू शंकर

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने मंगलवार को अमरोहा कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए किसान समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस दौरान एक मांग पत्र डिप्टी कलेक्टर को सौंपते हुए सभी समस्याओं के तत्काल निवारण की मांग की गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की लगभग 4,600 शाखाओं के द्वारा किसान क्रेडिट कार्डों पर दूसरी बैंकों के मुकाबले तमाम तरह के अतिरिक्त चार्ज लगाकर किसानों का आर्थिक उत्पीड़न किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024- 25 में केसीसी नवीनीकरण के बाद भी उसकी सब्सिडी आज तक नहीं मिल पाई है। किसानों को आधार कार्ड एड्ढ्रू के लिए बैंक मित्र के पास जाना पड़ता है, केसीसी बनवाने के लिए, एक मोबाइल नंबर पर एक से अधिक खाते लगे होने के कारण वस्त्र नहीं चल रहा है जिससे बैंक का नया सर्वर खराब है, वहीं किसानों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों में रोजाना कनेक्टिविटी की समस्या बनी रहती है किसान और बैंक कर्मचारी भी बहुत ज्यादा परेशान हो रहे हैं। किसान के द्वारा एक वर्ष के अंदर कृषि कार्ड जमा करने पर भी उसकी सिविल खराब हो रही है। पुराने केसीसी कार्ड पर नवीनीकरण के समय चार्ज वसूल किये जा रहे हैं , जबकि किसानों से पहले ही कार्ड बनते वक्त चार्ज वसूल लिए गए थे इस तरह की प्रथा को बंद किया जाए। किसानो की सिविल में समय पर खातों को नवीनीकरण करने के बावजूद ओवर ड्यू अमाउंट दशार्या जा रहा है, जिससे किसानों का सिविल स्कोर खराब हो गया है, इस वजह से किसानों की वित्तीय साख खराब हुई है, जिस कारण किसानों को अन्य संस्थाओं में वित्तीय लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों के ऋण खातों पर दूसरी बैंकों से अधिक ब्याज लगाया जा रहा है, दूसरी बैंकों के समान ब्याज लगाया जाए।भारत सरकार ने किसान हित में केसीसी की लिमिट 3 लाख से बढाकर 5 लाख कर दी है। प्रदेश के सभी किसानों की केसीसी की लिमिट को 1 अप्रैल 2025 से 5 लाख करते हुए इन्हीं दस्तावेजों पर 5 लाख के किसान क्रेडिट कार्ड भी स्वीकृत करने चाहिए। ग्रामीण बैंकों में बचत खातों पर मिनिमम बैलेंस चार्ज नहीं लगता है, इसके बाद भी उक्त बैंक द्वारा किसानों के बचत खातों में मिनिमम बैलेंस पर प्रतिमाह करोड़ों रुपए की कटौती की जा रही है। यदि कोई किसान कार या दोपहिया वाहन के लिए बैंक से लोन लेता है, तो उस पर भी 11% से अधिक ब्याज दर लगाई जाती है जो किसान का उत्पीड़न है।खातों के ट्रांजैक्शन में दूसरी बैंकों से अधिक पैसा वसूला जा रहा है, साथ ही जीएसटी भी किसानों से ही काटी जा रही है। किसान क्रेडिट कार्ड के नवीनीकरण के लिए रटर नहीं दिया जाता है, इसके पीछे बैंक की किसान के शोषण करने की मानसिकता है, क्योंकि अगर समय पर मैसेज पहुंच गया तो किसान समय रहते रिन्युअल कर देगा और अतिरिक्त ब्याज देने से बच जाएगा। इसके अतिरिक्त बचत खातों में 1000 हजार से कम पर संदेश नहीं दिया जाता है , 100 रुपए तक के लेनदेन पर पर भी संदेश देना चाहिए। उक्त बैंक के उच्च अधिकारियों का छोटे अन्नदाता के साथ व्यवहार बहुत खराब है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सम्मानोचित व्यवहार सभी का अधिकार है, बैंक द्वारा ग्राहक सेवा में सुधार किया जाना आवश्यक है। वहीं बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड पर प्राइवेट बीमा थोपने का प्रयास किया जाता है , संगठन पीएम सुरक्षा व जीवन ज्योति बीमा को आवश्यक करने की सिफारिश करता है, परन्तु किसानों पर जबरदस्ती प्राइवेट बीमा को न थोपा जाए। 2 लाख रुपये तक के किसान क्रेडिट कार्डों पर कोई भी ठएउ नहीं ली जानी चाहिए, न ही उनकी जमीन को बंधक बनाया जाए।कोई किसान अपना किसान क्रेडिट कार्ड बंद करवाता है तो ऐसी दशा में उनसे 2-3 हजार अतिरिक्त चार्ज वसूला जा रहा है जोकि सरासर गलत है। डिजिटल खसरा खतौनी में हिस्सा दशार्या गया है, इसके बावजूद भी बैंक द्वारा हिस्सा प्रमाण पत्र मांगकर किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।किसानों के खातों पर मैसेज चार्ज दूसरी बैंकों से अधिक लिया जाता है, जबकि बैंक के कुछ खातों में ट्रांजैक्शन के हिसाब से लिया जा रहा है जो कि किसानों के साथ धोखा है, इसे तत्काल बंद किया जाए । अगर इन सभी समस्याओं का तत्काल स्थायी समाधान नहीं किया जाता है तो भाकियू शंकर संगठन के द्वारा लगातार धरना-प्रदर्शन व आंदोलन किये जाते रहेंगे। इस दौरान वहां पर चौधरी धर्मवीर सिंह, विक्रम पंवार, हरि सिंह प्रधान,नेमपाल सिंह,राकेश रतनपुर, मोनू अखतब, शकील अहमद राजवीर सिंह,अमित, राजकुमार ,नेपाल सिंह, वीरपाल सिंह, मनोज, दीपक, जयदेव,भगवान दास,रामचंद्र सिंह,यशपाल सिंह ,श्रीराम, मदन सिंह,वीर सिंह, शिवस्वरूप सिंह,जयदेव, व भूरे सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली हादसे के बाद सतर्कता, डीएम और एसपी ने पुलिस बल के साथ की पैदल गश्त

सम्भल(सब का सपना):- दिल्ली में हुए हादसे को देखते हुए जनपद सम्भल में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला अधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पुलिस बल के साथ कस्बा सम्भल के संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा बाजारों में पैदल गश्त की। गश्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार थाना प्रभारी सम्भल के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद कर शांति बनाए रखने की अपील की और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। यह कदम दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया है। प्रशासन ने आमजन से सहयोग की उम्मीद जताई है।

नगलिया बल्लू गांव के आयुष ठाकुर ने राज्य स्तर पर जीता सिल्वर मेडल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले के तहसील चंदौसी स्थित गांव नगलिया बल्लू के होनहार युवक आयुष ठाकुर ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से जिले का नाम रोशन किया है। अलीगढ़ में आयोजित इंडियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आयुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों प्रतिभागी शामिल हुए थे, जहां कड़ी टक्कर देखने को मिली। आयुष ठाकुर ने 52 किलो वजन श्रेणी में 145 किलो वेट लिफ्टिंग कर सभी को प्रभावित किया। इससे उन्होंने राज्य स्तर पर सिल्वर मेडल और जनपद स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया। बिहार, भोपाल, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों को पछाड़कर आयुष ने संभल और उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। आयुष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच रोहित राघव और परिवार को दिया। उन्होंने कहा, "कोच और परिवार के प्रोत्साहन के बिना यह संभव नहीं था।" उनकी इस उपलब्धि पर गांव नगलिया बल्लू और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, दोस्तों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया और गर्व जताया। आयुष ठाकुर ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर गांव और जिले का नाम और ऊंचा करना है। उनकी इस कामयाबी से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिल रही है।

महिला संबंधित समस्याओं के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरूकता अभियान

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन मे जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान का के. जी. बी.वी. गजरौला में आगमन एवं छात्राओं से संवाद

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में राज्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष बबीता चौहान द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गजरौला (जनपद अमरोहा) का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर मा० अध्यक्ष ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए छात्राओं से संवाद स्थापित किया तथा विद्यालय की समग्र स्थिति, व्यवस्थाओं एवं छात्राओं के शैक्षणिक वातावरण का अवलोकन किया।kकार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व निर्धारित समयानुसार हुआ, जिसमें विद्यालय की छात्राओं द्वारा अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ एवं तालियों की गड़गड़ाहट के साथ हार्दिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें नृत्य, समूहगान एवं कविता पाठ सम्मिलित रहे। छात्राओं की प्रस्तुतियों में उनकी ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई, जिसे अध्यक्ष द्वारा अत्यंत सराहा गया। मंच संचालन भी विद्यालय की एक छात्रा द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया, जिसकी अध्यक्ष चौहान ने विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अवसर छात्राओं में नेतृत्व क्षमता एवं आत्मविश्वास को विकसित करते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष ने छात्राओं को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने, आत्मनिर्भर बनने तथा समाज में सशक्त भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को छात्राओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं शैक्षणिक गुणवत्ता पर सतत ध्यान देने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, के०जी०बी०वी० की वार्डन, शिक्षिकाएँ एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समापन पर मा० अध्यक्ष ने विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि कस्तूरबा विद्यालय बालिकाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर में गार्द और हवालात का किया आकस्मिक निरीक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद सम्भल के अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह ने मंगलवार को न्यायालय परिसर स्थित गार्द, हवालात तथा हवालात में स्थापित सीसीटीवी कैमरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं, अभिरक्षा कक्ष की स्थिति और कैमरा निगरानी प्रणाली की कार्यशीलता का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के बाद अपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाए रखने पर विशेष बल दिया, ताकि न्यायालय परिसर में किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके। यह निरीक्षण पुलिस प्रशासन की सतर्कता और पारदर्शिता को दशार्ता है, जिससे आम जनता में विश्वास बढ़ेगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सात मीट शॉप्स का किया निरीक्षण

साफ-सफाई न मिलने पर सभी को जारी किए नोटिस

संभल(सब का सपना):- खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने चमन सराय संभल नगरपालिका क्षेत्र में स्थित 7 मीट शॉप्स का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी दुकानों पर साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई और आवश्यक अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए। इसके चलते सभी मीट शॉप्स को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। नोटिस का जवाब संतोषजनक न दिए जाने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण की गई मीट शॉप्स में आजम मीट शॉप, शाह आलम मीट शॉप, जावेद मीट शॉप, फैजान मीट शॉप, फैजल मीट शॉप, अंसार फ्रेश बफैलो मीट शॉप और साबरी फ्रेश बफैलो मीट शॉप शामिल हैं। कार्रवाई मानवेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य) के नेतृत्व में की गई। टीम में राहुल सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, राजेश कुमार, सुधीर कुमार और राजीव कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी भी उपस्थित रहे। विभाग का कहना है कि खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि उपभोक्ताओं की सेहत सुरक्षित रहे।

जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का किया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं उनकी रैंक तथा प्रगति के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया। उद्यान विभाग के अंतर्गत माइक्रो इरिगेशन 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप 'को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी तथा कम रैंक पर संबंधित अधिकारी का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। दैनिक विद्युत आपूर्ति को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। खराब ट्रांसफार्मर की शिकायतें ,विद्युत बिल में सुधार हेतु आवेदन आदि पर भी चर्चा की गयी। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत पूर्व दशम छात्रवृत्ति कक्षा 9 से कक्षा 10 में रैंक कम होने पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित प्रधानाचार्यों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पिछड़ा वर्ग विभाग के अंतर्गत पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना को लेकर जानकारी प्राप्त की गई रैंक कम होने पर छात्रवृत्ति से संबंधित आवेदनों की जांच के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ओडीओपी वित्त पोषण योजना पर भी चर्चा की गई तथा कम रैंक आने पर संबंधित अधिकारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना आदि पर भी चर्चा की गई। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डे एनआरएलएम, पीएम आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण ,दुग्ध मूल्य भुगतान की स्थिति, दिव्यांगजन पेंशन जल जीवन मिशन ग्रामीण, फैमिली आईडी ,एंबुलेंस 108 ,सामाजिक वानिकी आदि पर भी चर्चा की गई एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सूक्ष्म स्तर पर कार्य करें अपने अधीनस्थ ग्राउंड लेवल के कर्मचारियों को सक्रिय करें। पूर्वी फाउंडेशन से विनीत कश्यप द्वारा उनकी टीम द्वारा तालाबों के जीर्णोद्धार पर किये जा रहे कार्यों पर अपना प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरूण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट में अमरोहा के दो लोगों की मौत

हसनपुर क्षेत्र के रहने वाले थे दोनों लोग

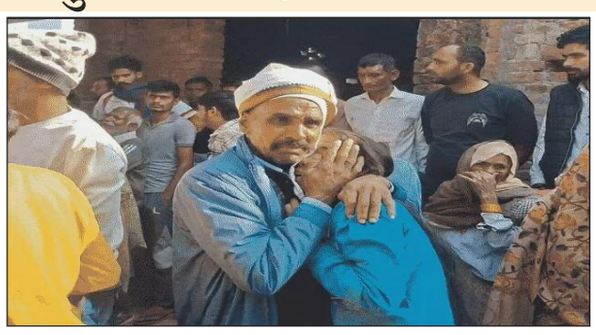

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार की शाम को दिल्ली में हुए भीषण कार ब्लास्ट हादसे में अमरोहा के दो लोगों की जान चली गई। दोनों ही मृतक युवक हसनपुर क्षेत्र के रहने वाले थे। दोनों मृतकों की पहचान हसनपुर के गांव मंगरोला निवासी अशोक (35) व हसनपुर शहर निवासी खाद विक्रेता लोकेश अग्रवाल (52) के रूप में हुई है। दोनों मृतक लोगों के शव उनके घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया एवं क्षेत्र में गमगीन माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि मृतक दोनों लोग आपस में अच्छे दोस्त थे जिनकी दोस्ती की लोग मिसाल देते थे। लोगों का कहना है कि लोकेश अशोक से मिलने गया था किसी को नहीं पता था कि यह मुलाकात दोनों की आखिरी मुलाकात होगी।

दिल्ली में बस पर कंडक्टर की नौकरी करते थे अशोक

दिल्ली पुलिस ने घटनास्थल से मिले दस्तावेजों और वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर अशोक की शिनाख्त की। अशोक दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी)में संविदा कंडक्टर के पद पर 9 साल से तैनात था। पिछले तीन वर्षों से अशोक अपनी पत्नी सोनम और तीन छोटे बच्चों के साथ दिल्ली के जगतपुर इलाके में किराए के मकान में रहता था। अशोक दीपावली पर आया था और त्योहार मनाने के बाद वापस दिल्ली लौट गया था। अशोक के चचेरे भाई और ग्राम प्रधान सोमपाल सिंह ने बताया कि हम लोगों को इस हादसे के बारे में थाने से फोन आया था। अशोक का काम बहुत अच्छा चल रहा था,उनके तीन बच्चे हैं बड़ी बेटी आरोही जो 8 साल की है, उससे छोटी काव्य जो 5 साल की है, और बेटा जो 3 साल का है। दोनों बेटियों का रो-रो कर बुरा हाल है। अशोक की मां सोमवती भी उम्र दराज है साथ ही हृदय रोगी भी हैं, करीब 25 साल पहले उनके पिता की बीमारी के चलते मौत हो गई थी, अशोक के बड़े भाई सुभाष खेती करते हैं दोनों भाइयों के पास लगभग 6 बीघा जमीन है।

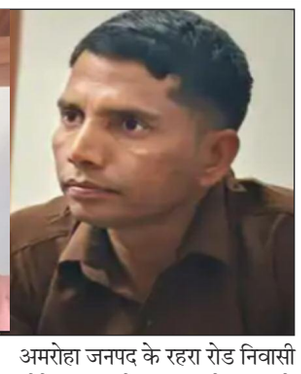

समधन की बीमारी का हाल जानकर अशोक से मिलने पहुंचा था लोकेश

अमरोहा जनपद के रहरा रोड निवासी लोकेश पुत्र ओमप्रकाश सोमवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में एडमिट अपनी समधन को देखने के लिए पहुंचे थे, इसी दौरान उन्होंने शाम के समय दिल्ली में रह रहे अपने दोस्त अशोक कुमार निवासी ग्राम मंगरौला को फोन लगा दिया। दिवाली पर मुलाकात के बाद दोनों दोस्तों की फिर से मुलाकात हुई, लोकेश मेट्रो से उतर रहे थे जबकि अशोक कुमार उन्हें लेने के लिए वहां पहुंच गए थे, इसी दौरान लाल किले के पास कार में विस्फोट हो गया, जिसमें लोकेश और अशोक दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद लोकेश के मोबाइल से संदीप नाम के शख्स को कॉल किया गया था, जिसकी दिल्ली पुलिस ने कॉल हिस्ट्री निकालकर संदीप अग्रवाल को फोन किया संदीप ने लोकेश और अशोक की पहचान की। हादसे की खबर सुनकर अमरोहा में लोकेश के घर पर काफी भीड़ जमा हो गई, लोकेश अग्रवाल के दो बेटे सौरभ और गौरव एवं बेटी दिव्या है ,लोकेश पैसे से खाद व्यापारी थे, फि लहाल मंगलवार सुबह दोनों शवों को पहचान के बाद अमरोहा उनके घर लाया गया। दोनों के शवों को देखकर परिवार में कोहरा मच गया, उधर दोनों युवकों की मौत से गांव और मोहल्ले में भी मातम पसरा हुआ है।

सिंचाई बंधु समिति की बैठक आयोजित, जल संरक्षण और कृषक सुविधाओं पर जोर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय सिंचाई बंधु समिति के उपाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू की अध्यक्षता में सिंचाई बंधु की जनपद स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सिंचाई, जल संरक्षण, कृषक सुविधाओं और संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लघु एवं सीमांत कृषकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। शासन की प्राथमिकता के अनुरूप कृषकों के साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा आईजीआरएस शिकायतों की प्रभावी सुनवाई हो। उन्होंने सभी अधिकारियों से संवेदनशीलता बरतने और जनसुनवाई में जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करने का आह्वान किया। जल संरक्षण के मुद्दे पर जोर देते हुए सीडीओ ने कहा कि जल संरक्षण को समझना और उस पर कार्य करना आवश्यक है। सभी विभाग मिलकर जल संरक्षण के प्रयास करें तथा रेनवाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दिया जाए। भूगर्भ जल की बचत और जल के सदुपयोग पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। सिंचाई बंधु जिला स्तरीय समिति के उपाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने सभी को अपने कार्यों के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने विद्युत विभाग से सजगता पूर्वक कार्य करने और जनपद में नहर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए प्रयास करने का निर्देश दिया। अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार ने बैठक में उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और दिए गए दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का आश्वासन दिया। बैठक में जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, चंद्रसेन राणा, विद्युत विभाग से एसडीओ बहजोई अखिलेश कुमार तथा अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जुलाना में टीचर पर जानलेवा हमला, स्कूल के छात्रों ने बर्फ तोड़ने वाले सुएं से किए वार

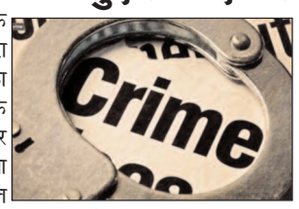

जुलाना : जुलाना क्षेत्र के एक गांव के सरकारी स्कूल में नाबालिग छात्रों द्वारा शिक्षक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, ढक्कड़ शिक्षक नंदकिशोर पर छात्रों ने बर्फ तोड़ने वाले सुएं से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत ढक्कड़रोहतक रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने इस घटना की शिकायत खंड शिक्षा अधिकारी जुलाना को दी है। शिकायत में बताया गया कि कुछ छात्र पहले भी स्कूल में घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं, लेकिन इस बार मामला बेहद गंभीर है। फिलहाल जुलाना पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

हथिनीकुंड बैराज पर सिर्फ 6 पुलिसकर्मी तैनात, संदिग्धों पर रख रहे पैनी नजर

यमुनानगर : राजधानी दिल्ली में ब्लास्ट के बाद इंटरस्टेट नाकों पर पुलिस ने पहरा बढ़ा दिया है। इस घटना के बाद पूरे देश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यूपी और उत्तराखंड को हरियाणा से जोड़ने वाले हथिनीकुंड बैराज पर प्रताप नगर थाने के 6 कर्मचारियों को तैनात किया है। पुलिसकर्मी लगातार संदिग्ध व्यक्ति और वाहन की गहनता से छानबीन कर रहे हैं। इस ब्लास्ट की घटना के बाद हरियाणा के डीजीपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर प्रदेश के सभी पुलिसकर्मियों को अलर्ट पर रहने के आदेश जारी कर दिए हैं। यमुनानगर में डीजीपी के आदेशों की पालना होती नजर आ रही है। यमुनानगर जिला कलानौर और हथनीकुंड बैराज पर उत्तर प्रदेश से सटा हुआ है। हथनीकुंड बैराज और उसके आगे लगता ताजेवाला नाके पर प्रताप नगर पुलिस ने 6 पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। प्रतापनगर के थाना प्रभारी नरसिंह ने बताया कि हथिनीकुंड बैराज और प्रताप नगर 2 जगह नाकों पर 12 मुलाजिम लगाए गए हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए हैं कि जो भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन नजर आए उनकी गहनता से जांच और पूछताछ की जाए। हथिनीकुंड बैराज का नाका हरियाणा को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को आपस में जोड़ता है। कई बार इस जगह पर अवैध गतिविधियां भी नजर आई हैं। ऐसे में पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है ताकि संदिग्ध पर नजर रखी जा सके।

डीजीपी के थार और बुलेट वाले बयान पर दुष्यंत ने कसा तंज, अपनी व खट्टर की फोटो डाल पूछा क्या ये भी ?

हरियाणाः हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने हाल ही में बुलेट व थार चलानों वालों पर बयान दिया था जिससे प्रदेश की राजनीति गरम गई है। अब डीजीपी के बयान पर हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने तंज कसा है।

आप देख सकते हैं कि दुष्यत चौटाला ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर सीएम नायब सैनी को टैग करते हुए पूछा-क्या आपने भी कभी थार या बुलेट चलाई है? दुष्यंत ने अपने और पूर्व सीएम एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की बुलेट चलाते ही फोटो डाली हैं। तीसरी फोटो में कांग्रेस सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के नेता तेजस्वी यादव एक ऑफ-रोड स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयुभी) में बैठे दिख रहे हैं।पोस्ट में दुष्यंत ने डीजीपी का बयान लिखा है- "थार और बुलेट से बदमाश चलते हैं।" फोटो के नीचे सवाल लिखा है- "डीजीपी साहब! तो क्या ये भी। बता दें कि एक दिन पहले ही गुरुग्राम में डीजीपी ने बयान दिया था कि थार और बुलेट से सारे बदमाश चलते हैं।

मनीषा मौत मामले में पंचायत का बड़ा फैसला, इस तारीख को धरने का एलान

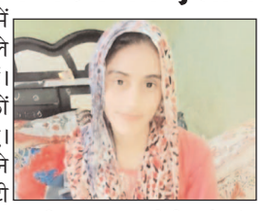

भिवानी: भिवानी के गांव ढाणी लक्ष्मण में मंगलवार दोपहर मनीषा की मौत के मामले को लेकर एक पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में गांव सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पंचायत के दौरान मनीषा के पिता संजय ने भावुक होते हुए हाथ जोड़कर सभी से बेटी को न्याय दिलाने की अपील की। उन्होंने बताया कि अब तक सीबीआई जांच में परिजनों को किसी भी तरह की जानकारी नहीं मिली है और जांच की रफ्तार बहुत धीमी है। ग्रामीणों ने पंचायत में सर्वसम्मति से फैसला लिया कि 30 नवंबर को गांव के मुख्य चौक पर सांकेतिक धरना दिया जाएगा। इस दौरान ग्रामीण भूख हड़ताल भी करेंगे। पंचायत में यह मांग उठी कि सीबीआई मनीषा की मौत का सच जल्द सामने लाए और परिवार को अब तक की जांच की जानकारी दी जाए। इस अवसर पर किसान नेता सुरेश कौथ ने कहा कि हरियाणा सरकार को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए और सीबीआई को पत्र लिखकर जांच में तेजी लाने के निर्देश देने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जांच में जल्द प्रगति नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

चिक्कन जंगल में वाइल्डलाइफ टीम का छापा, सांभर के सींग और 3 बाइकें बरामद

यमुनानगर : यमुनानगर के चिक्कन जंगल में वाइल्डलाइफ विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर देर रात छापा मारकर खैर तस्करी और शिकार की बड़ी कोशिश को नाकाम किया। हालांकि आरोपी मौके से भागने में सफल रहे, लेकिन टीम को मौके से तीन बाइक, सांभर के सींग और शिकार में इस्तेमाल होने वाला फंदा (कड़क्की) बरामद हुआ। वाइल्डलाइफ निरक्षक लीलू राम के अनुसार, वन रक्षक हुकुम सिंह को सूचना मिली थी कि कुछ लोग जंगल में अवैध रूप से खैर के पेड़ काटने और जंगली जानवरों का शिकार करने पहुंचे हैं। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई की। मौके पर पहुंचने पर कुछ लोग संदिग्ध गतिविधियों में लगे दिखाई दिए, लेकिन टीम को देखते ही वे जंगल में भाग गए। दो लोग बाइक लेकर फरार हो गए जबकि तीन बाइक जंगल में खड़ी मिलीं। जांच के दौरान टीम को सांभर के सींग और तीन कटे हुए खैर के पेड़ मिले। प्राथमिक जांच में पाया गया कि शिकार पहले ही किया जा चुका था। इस मामले में चिक्कन गांव के 6 लोगों की पहचान की गई है, जिनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह का बड़ा बयान, बोले- बिहार चुनावों के बाद नहीं टिक पाएगी केंद्र सरकार

भिवानी : भिवानी पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधा। वे यहां अपने बेटे और पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह की सद्भाव यात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक में शामिल होने आए थे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार चुनावों के बाद देश की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

बीरेन्द्र सिंह ने कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि अगर जनता और कार्यकर्ता हमारे साथ हैं, तो नेता आखिर जाएंगे कहां। उन्होंने स्पष्ट किया कि सद्भाव यात्रा में वोट चोरी का मुद्दा भी प्रमुख रहेगा। वहीं, हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा पर लगे आरोपों का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का वोट चोरी करने का पैटर्न देशभर में समान है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी यही हुआ, जबकि वहां बाप-बेटा नहीं थे।

टिक नहीं पाएगी केंद्र सरकार- बीरेंद्र सिंह

बिहार चुनावों को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा छोटे दलों के सहारे सत्ता में आती है और बाद में उन्हीं की बली चढ़ाकर अपनी स्थिति मजबूत करती है। उनका दावा है कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के सहारे चल रही केंद्र सरकार दो से ढाई साल से अधिक नहीं टिकेगी, क्योंकि ये दोनों नेता अपनी पार्टी का अस्तित्व नहीं खोएंगे।

जाति-धर्म की राजनीति करने की कोशिश में भाजपा- बीरेंद्र सिंह

बीरेन्द्र सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह देश में स्थायी राज कायम करने की कोशिश में धर्म और जाति की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि 400 पार का दावा करने वाली भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और यदि 79 सीटों पर वोट चोरी न होती, तो पार्टी 160 सीटों पर रह जाती।

कैथल बस स्टैंड पर मिला लावारिस संदिग्ध बैग, पुलिस ने जब मेटल डिटेक्टर से किया चेक

कैथल : दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद पूरे हरियाणा में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और पुलिस की सभी टीमें मुस्तैदी से नजर बनाए हुए है। इसी बीच कैथल बस स्टैंड पर लावारिस संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीमें एक्टिव हो गई और कैथल बस स्टैंड पर पहुंची। पुलिस ने मौके से सुरक्षा की दृष्टि से आस पास के एरिया को खाली करवाया गया। इसके बाद पुलिस टीमों द्वारा बैग को मेटल डिटेक्टर से चेक किया गया लेकिन मेटल डिटेक्टर की तरफ से कोई खतरे का संकेत न देने पर बैग खोल कर देखा गया तो उसमें से कपड़े और किताबें मिली, जिसके बाद बस स्टैंड पर लोगों को राहत महसूस हुई. मामले को लेकर CIA इंचार्ज जसवंत सिंह ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि बस स्टैंड पर कोई लावारिस बैग पड़ा है तो जब यहां पर आकर देखा और मेटल डिटेक्टर से चैक किया गया तो किसी प्रकार का कोई खतरे का संकेत नहीं मिला, जिसके बाद बैग को खोलकर देखा गया तो इसमें से किताबें और कपड़े मिले हैंष CIA इंचार्ज ने कहा कि किसी अफवाह पर जनता ध्यान न दें लेकिन अगर कोई भी संदिग्ध वस्तु दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना जरूर दें।

फरीदाबाद में फिर से विस्फोटक बरामद!, डीजीपी ओपी सिंह बोले- दिवाली की पटाखे पकड़े

फरीदाबाद : हरियाणा के फरीदाबाद में आज लगभग 50-60 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए। पहले खबर आई थी कि विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। हालांकि, बाद में पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह सामग्री पटाखे और शादी समारोहों में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल था। इस मामले में डॉक्टर सोहल खान का पुलिस ने सेक्टर 56 के करीब की कॉलोनी से अरेस्ट किया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि सेक्टर 56 फरीदाबाद क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री मिली है। जिस बारे सूचित किया जाता है कि यह सामग्री शादी विवाह में चलने वाले पटाखे व उसका रॉ मैटेरियल है। इसका आतंकवादी गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। फरीदाबाद पुलिस इसका खंडन करती है कृपया भ्रामक प्रचार ना करें। वहीं, डीजीपी ओपी सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि फरीदाबाद में दिवाली की पटाखे पकड़े गए हैं। ये कोई विस्फोटक की बरामदगी नहीं है। हरियाणा में स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है। एजेंसियां हाई अलर्ट पर है अफवाह ना फैलायें, ना इसपर विश्वास करें। इससे पहले सोमवार को फरीदाबाद में एक किराये के कमरे से 2500 किलो से अधिक विस्फोटक बरामद हुआ था, जो लगभग 50 बैगों में रखा गया था। लगातार कार्रवाई के तहत पुलिस ने दूसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी रखा। इस पूरे मामले में चार राज्यों से कुल आठ लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें से दो गिरफ्तारियां फरीदाबाद से हुई हैं, जिसमें एक महिला डॉक्टर भी शामिल है। एक आरोपी, जो स्थानीय मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था और कश्मीर का रहने वाला है, के दोनों कमरों से करीब 2900 किलो से अधिक विस्फोटक बरामद किया गया।

25 फीट गहरे कुएं में एक साथ बैठे नजर आए सांप और कुत्ते का नन्हा बच्चा

टोहाना : टोहाना के गांव लहरिया में एक अनोखी घटना देखने को मिली, जहां 25 फीट गहरे कुएं से एक सांप और कुत्ते के बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने दोनों को कुई में देखने के बाद तुरंत पशु क्रूरता निवारण समिति, फतेहाबाद को सूचना दी। सूचना मिलते ही समिति के सदस्य नवजोत सिंह ढिल्लों और उनकी टीम के साथी मनजीत मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। जब रेस्क्यू किया जा रहा था तो कुएं के ऊपर बजरी का भारी ढक्कन रखा हुआ था, जिसे हाथों से हटाना संभव नहीं था। टीम ने ट्रैक्टर की मदद से ढक्कन को सावधानीपूर्वक हटाया। जैसे ही कुई का मुंह खुला, ग्रामीण और बचाव दल यह देखकर दंग रह गए कि अंदर एक सांप और कुत्ते का बच्चा एक साथ बैठे थे और दोनों सुरक्षित थे।नवजोत सिंह ढिल्लों ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान ऊपर से अचानक ईंटें और मिट्टी कुई में गिर गईं, जिससे कुछ समय के लिए दोनों जानवर नजरों से ओझल हो गए। बावजूद इसके, टीम ने हिम्मत नहीं हारी और लगातार प्रयास करते रहे। आखिरकार नवजोत सिंह ढिल्लों की अगुवाई में दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। नवजोत का कहा है कि ईंटे कुएं में गिरने के बाद भी सांप और कुत्ता का बचा सुरक्षित हैं।

पानीपत में सूदखोर की प्रताड़ना से एक और व्यक्ति परेशान, कहा- न्याय नहीं मिला तो

पानीपत : पानीपत जिले के सौधापुर गांव में सूदखोरी का एक और मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति सूदखोर की धमकियों और अत्यधिक ब्याज वसूली से परेशान होकर न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। इसके बावजूद उसे न्याय नहीं मिल रहा। पीड़ित प्रफुल्ल ने बताया कि उसने अपने छोटे कारोबार के लिए 14 लाख रुपये उधार लिए थे, लेकिन ब्याज दर स्पष्ट नहीं बताई गई थी। अब सूदखोर राकेश उससे 10 प्रतिशत मासिक ब्याज के हिसाब से रकम वसूल रहा है। पीड़ित ने बताया कि वह अब तक करीब 13.5 लाख रुपये वापस कर चुका है, फिर भी सूदखोर उस पर 50 लाख रुपये और देने का दबाव बना रहा है। प्रफुल्ल का आरोप है कि स्थानीय नेताओं के दबाव के कारण पुलिस उसकी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर रही। कई बार अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद मामला अनसुना रह गया। बेबस प्रफुल्ल ने चेतावनी दी है कि अगर उसे न्याय नहीं मिला, तो वह हरियाणा डीजीपी से शिकायत करेगा और अंतिम उपाय के रूप में आत्महत्या करने को मजबूर होगा। बता दें कि हाल ही में पानीपत में एक किसान की सूदखोरों की प्रताड़ना से मौत हुई थी, जिससे यह मुद्दा फिर से सुर्खियों में आ गया है।

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया में भारतीय दूतावास की नई इमारत का उद्घाटन

सुक्रे, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बोलीविया में भारत के दूतावास के नए चांसरी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि नई इमारत दोनों देशों की दोस्ती को और गहरा करेगी। अपने दौरे के दौरान उन्होंने बोलीविया के कारोबारी संगठनों और उद्यमियों से मुलाकात कर खनिज, वस्त्र, पर्यटन और दवा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की। मार्गेरिटा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

बर्लिन में बलूचों पर अत्याचारों को लेकर पाकिस्तान की निंदा

बर्लिन , एजेंसी। बलूच नेशनल मूवमेंट ने बर्लिन में बलूच शहीद दिवस मनाया, जिसमें कई देशों के नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान बलूचिस्तान पर किए गए अत्याचारों को लेकर पाकिस्तान की निंदा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से बलूच जनता पर दमन कर रहा है और क्षेत्र में सैन्य कब्जा, संसाधनों के दोहन की स्थिति लगातार बनी हुई है। बीएनएम प्रमुख डॉ. नसीम बलूच ने 1948 के हमले को दमन की शुरुआत बताया और कहा कि बलूच प्रतिरोध आज भी मजबूत है।

सलमान रुश्दी को मिला डेटन पीस प्राइज का आजीवन सम्मान

ओहायो, एजेंसी। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी को रविवार को अमेरिका के ओहायो में आयोजित डेटन लिटरेरी पीस प्राइज समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उस समय मिला है जब उन्होंने तीन साल पहले न्यूयॉर्क में हुए हमले के बाद अपनी पहली नई किताब प्रकाशित की है। यह पुरस्कार उन लेखकों को दिया जाता है, जो अपनी रचनाओं के जरिए शांति, मानवीय मूल्यों और संवाद को बढ़ावा देते हैं। हर साल इसमें फिक्शन, नॉन-फिक्शन और आजीवन उपलब्धि के लिए अलग-अलग सम्मान दिए जाते हैं। 78 वर्षीय सलमान रुश्दी अपनी विवादित किताब 'द सैटेनिक वर्सेज' के लिए जाने जाते हैं। 1988 में आई इस किताब के बाद ईरान के धर्मगुरु अयातुल्ला खुमैनी ने 1989 में उनके खिलाफ मौत का फतवा जारी किया था, जिसके बाद रुश्दी को लंबे समय तक छिपकर रहना पड़ा था।

शटडाउन के 40वें दिन पूरे, अमेरिका में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार का शटडाउन 40वें दिन पहुंच चुका है। इसके कारण देश भर में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 8,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई। यह आंकड़े उड़ानें ट्रैक करने वाली वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार से अमेरिका के विमानन विभाग द्वारा उड़ानों में कटौती की नीति लागू की गई। इसके बाद उड़ानें रद्द होने की संख्या तेजी से बढ़ी है। गुरुवार को जहां 202 उड़ानें रद्द हुई थीं, वहीं शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 1,025 हो गई और शनिवार को 1,566 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। शटडाउन शुरू होने के बाद से कई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर छुट्टी पर चले गए, जिससे बाकी कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम का बोझ बढ़ गया है। परिवहन विभाग और विमानन प्राधिकरण ने देश के 40 बड़े हवाईअड्डों पर उड़ानों की संख्या में 10 प्रतिशत की कमी करने का फैसला किया है, ताकि कर्मचारियों पर दबाव कम हो और हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बनी रहे। परिवहन मंत्री सीन डफी ने रविवार को सीएनएन को बताया कि स्थिति आगे और खराब हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि थैंक्सगिविंग (अमेरिका का प्रमुख त्योहार) से पहले हवाई यात्रा बहुत कम हो सकती है। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक ने भी कहा कि अगर लोग थैंक्सगिविंग के दौरान यात्रा नहीं कर पाए, तो साल की चौथी तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मस्जिद के अंदर अज्ञात बंदूकधारियों ने की पुलिसकर्मी की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक मस्जिद के अंदर एक पुलिस हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी। हेड कांस्टेबल शाह नवाज की अफगानिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले के गुल इमाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मोहम्मद अकबर गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार मारे गए अधिकारी छुट्टी पर थे और नमाज के दौरान जब हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया, तब वे घर लौटे थे। रेस्क्यू 1122 टीमों ने शव को जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचक्यू) टैंक पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी इस क्षेत्र के आतंकवादी संगठनों के निशाने पर हैं। घटना के तुरंत बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की भारी टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। इलाके की घेराबंदी की और अपराधियों का पता लगाने के लिए जांच और तलाशी अभियान शुरू किया।

डोनाल्ड ट्रम्प हर अमेरिकी को 1.7 लाख देंगे:कहा- टैरिफ से बहुत पैसे आए हैं, इसका विरोध करने वाले मूर्ख

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दावा किया कि टैरिफ से अरबों डॉलर की कमाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इस कमाई से अमीरों को छोड़कर हर अमेरिकी नागरिक को 2,000 डॉलर (करीब 1.7 लाख रुपए) का डिविडेंड मिलेगा।

ट्रम्प ने पोस्ट में टैरिफ के आलोचकों को मूर्ख करार दिया। उन्होंने कहा, टैरिफ के खिलाफ बोलने वाले लोग मूर्ख हैं। हमारी सरकार ने अमेरिका को दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बना दिया है, जहां महंगाई न के बराबर है और शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि ये प्रॉफिट किसे मिलेगा, इसकी पात्रता मानदंड (जैसे आय सीमा क्या होगी?) या समयसीमा पर कोई साफ जानकारी नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने ऐसा वादा किया। अक्टूबर में उन्होंने 1,000 से 2,000 डॉलर के छूट का संकेत दिया था।

ट्रम्प बोले- टैरिफ के कारण व्यवसाय अमेरिका में आ रहे : टैरिफ से हो रहे प्रॉफिट के अलावा ट्रम्प ने व्यापार मामलों में राष्ट्रपति के पावर की सीमाओं पर सवाल उठाते हुए गुस्सा जताया। उन्होंने कहा अमेरिका के राष्ट्रपति के पास किसी विदेशी देश के साथ सभी व्यापार को रोकने की अनुमति है, दूसरे देश को लाइसेंस देने की अनुमति है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैरिफ लगाने की अनुमति नहीं है। ट्रम्प ने कहा- दूसरे देश हम पर टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन हम उनपर नहीं।

सिर्फ टैरिफ की वजह से ही व्यवसाय अमेरिका में आ रहे हैं। टैरिफ के बिना हमारे पास कुछ भी नहीं है। क्या सुप्रीम कोर्ट यह नहीं समझता। ट्रम्प का कहना था कि अप्रैल 2025 में घोषित टैरिफ (10% से 50%) अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। व्हाइट हाउस ने तर्क दिया कि 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत राष्ट्रपति को व्यापार कंट्रोल करने की शक्ति है, जिसमें टैरिफ लगाना शामिल है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सावर ने चेतावनी दी कि अगर ये नीति रद्द हुई तो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा नुकसान हो सकता है।

कोर्ट बोला- टैरिफ लगाने की शक्ति संसद के पास : अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। 5 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की लिबरल जस्टिस सोनिया सोतोमेयर ने संविधान का हवाला देकर कहा था कि टैक्स लगाने की शक्ति संसद की है, न कि राष्ट्रपति की। ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर 'नेशनल इमरजेंसी' घोषित कर टैरिफ लगाए।

ट्रेजरी सेक्रेटरी बोली- हमारा फोकस कर्ज चुकाने पर है : ट्रम्प के दावों पर अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने क्नबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी ट्रम्प से इस डिविडेंड पर चर्चा नहीं हुई है। लेकिन शायद यह राशि टैक्स में कटौती के रूप में आ सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बेसेन्ट का फोकस कर्ज चुकाने पर है, न कि डायरेक्ट चेक बांटने पर। अगस्त में उन्होंने सीएनबीसी को बताया था कि टैरिफ राजस्व से 38.12 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम किया जाएगा।

रिपोर्ट- ट्रम्प का प्लान कर्ज बढ़ा सकता है ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सितंबर के बयान के अनुसार, फाइनेंशियल ईयर 2025 में टैरिफ से केवल 195 अरब डॉलर की आय हुई। अगर 2,000 डॉलर प्रति व्यक्ति (लगभग 25 करोड़ गैर-अमीर अमेरिकियों को) बांटे जाएं, तो लागत करीब 500 अरब डॉलर होगी जो मौजूदा आय से कहीं ज्यादा है। अमेरिका पर 3,200 खरब रुपए कर्ज, दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज (नेशनल डेब्ट) नवंबर 2025 तक लगभग 38 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 3,200 खरब रुपए) हो चुका है, जो दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज है। यह कर्ज ट्रेजरी सिक्योरिटीज (सरकारी बॉन्ड्स) के रूप में बंटा हुआ है। कुल कर्ज का करीब 70% अमेरिकी संस्थाओं (घरेलू) के पास है, जबकि 30% विदेशी देशों और निवेशकों के पास। विदेशी हिस्सा लगभग 8-9 ट्रिलियन डॉलर का है। जापान अमेरिका का सबसे बड़ा लेनदार है, जो अमेरिकी बॉन्ड्स को सुरक्षित निवेश मानता है। वहीं, चीन का हिस्सा घट रहा है (पहले 1 ट्रिलियन से ज्यादा था)। यह कर्ज अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लष्ठक्क (30 ट्रिलियन डॉलर) का 120% से ज्यादा है, जो चिंता का विषय है। बढ़ते कर्ज से ब्याज भुगतान पर सालाना 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च हो रहा है। ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया था ट्रम्प ने 5 मार्च को अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी इकोनॉमी लगातार घाटे में जा रही है। इस नुकसान से बचने के लिए हम उन सभी देशों पर टैरिफ लगाएंगे, जो हमारे सामानों पर टैरिफ लगाते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था, लेकिन ट्रम्प ने तब इसे टाल दिया। बाद में 31 जुलाई को ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया, जो अगस्त में पूरी तरह लागू हो गया।

रूस करेगा न्यूक्लियर टेस्ट ? राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खास ने बताया मॉस्को का प्लान

मास्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु हथियार परीक्षणों पर दिए गए बयान पर मॉस्को ने पलटवार किया है। रूस ने साफ-साफ कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु परीक्षण का कोई आदेश नहीं दिया है। रूस सामूहिक विनाश के हथियारों के परीक्षण पर प्रतिबंध लगाने के प्रति कटिबद्ध बना हुआ है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी टीवी चैनल को बताया कि पुतिन ने बार-बार स्पष्ट किया है कि रूस परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के तहत अपने सभी दायित्वों का पालन कर रहा है और हम इसे तोड़ने का इरादा नहीं रखते। पेस्कोव ने आगे कहा कि अगर वाशिंगटन परमाणु हथियारों का परीक्षण करता है, तो रूस को जवाबी कदम उठाने होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमाणु समता वैश्विक सुरक्षा ढांचे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, खासकर वर्तमान परिस्थितियों में।

बता दें कि कि 29 अक्टूबर को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने घोषणा की थी कि उन्होंने युद्ध विभाग को हमारे परमाणु हथियारों का समान आधार पर परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया है। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका के पास दुनिया के किसी अन्य देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था कि इस मामले रूस दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन काफी पीछे तीसरे नंबर पर है, लेकिन अगले पांच वर्षों में वे बराबरी पर पहुंच जाएंगे। इधर,

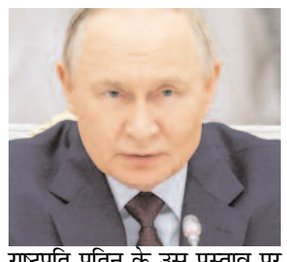

राष्ट्रपति पुतिन के उस प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए (जिसमें START-III की समाप्ति के बाद भी सामरिक हथियारों पर मात्रात्मक प्रतिबंध जारी रखने की बात कही गई थी) विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि मॉस्को वाशिंगटन से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। लावरोव ने बताया कि न्यू स्टार्ट संधि समाप्त होने के बाद पुतिन द्वारा प्रस्तुत यह रचनात्मक पहल खुद में बहुत कुछ स्पष्ट करती है। इसमें कोई छिपा एजेंडा नहीं है और इसे समझना एकदम सरल है। इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए किसी विशेष अतिरिक्त प्रयास की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इसलिए, हमारे विचार पर गहन बहस की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक वाशिंगटन से कोई ठोस जवाब नहीं आया है। लावरोव ने आगे कहा कि राजनयिक चैनलों के माध्यम से हमें बताया गया है कि इस पर विचार चल रहा है। हम किसी को मनाने का प्रयास नहीं कर रहे। हमारा मानना है कि यह कदम दोनों देशों और समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। हम किसी भी संभावित घटनाक्रम के लिए तैयार हैं, लेकिन उम्मीद करते हैं कि परिणाम सकारात्मक होंगे।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म होने के करीब, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- समझौते पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि सरकार का शटडाउन खत्म होने के करीब है। उन्होंने दावा किया कि व्हाइट हाउस और सीनेट नेताओं के बीच समझौता लगभग तय हो गया है, जिससे अमेरिकी सरकार फिर से कामकाज शुरू कर सकेगी। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा ऐसा लगता है कि हम शटडाउन के अंत के बहुत करीब हैं। हमने कभी भी कैदियों या अवैध रूप से देश में आने वालों को पैसे देने पर सहमति नहीं दी। डेमोक्रेट्स अब यह समझ चुके हैं और उम्मीद है कि सरकार का शटडाउन जल्द खत्म होगा। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, आठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने रिपब्लिकन नेताओं और व्हाइट हाउस के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत सरकार को दोबारा खोलने और कुछ प्रमुख एजेंसियों को फंडिंग देने पर सहमति बनी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे शटडाउन को समाप्त करेगा और जनवरी तक सरकार को अस्थायी रूप से फंडिंग प्रदान करेगा। रविवार रात को हुई इस डील में सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून, व्हाइट हाउस प्रतिनिधि, और तीन पूर्व गवर्नर जीन शाहीन (न्यू हैम्पशायर), एंगस किंग (मेन) और मैगी हसन (न्यू हैम्पशायर) शामिल थे। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस समझौते में रिपब्लिकन नेताओं की ओर से स्वास्थ्य सब्सिडी बढ़ाने की कोई गारंटी नहीं दी गई है। फिर भी, डेमोक्रेट्स को उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में इस पर समझौता हो सकता है। सीनेट रविवार रात 8:30 से 9 बजे (ईस्टर्न टाइम) के बीच इस प्रस्ताव पर मतदान कर सकती है। इसके बाद यह बिल हाउस में जाएगा और फिर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद लागू होगा। डेमोक्रेटिक नेताओं ने फिलहाल इस डील पर अपना आधिकारिक रुख नहीं बताया है। हालांकि, कुछ हाउस डेमोक्रेट्स ने इसे 'असंतोषजनक समझौता' बताया है। अगर यह डील पास हो जाती है, तो अमेरिकी सरकार कई दिनों के बाद फिर से कामकाज शुरू कर देगी, जिससे लाखों कर्मचारियों और सेवाओं को राहत मिलेगी।

कठिनाइयों का सामना कर रहे ट्रंप: जेलेंस्की-नाटो का नाम लेकर रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति को घेरा

मॉस्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों में वोलोदिमिर जेलेंस्की और नाटो सहयोगियों को मनाने में विपरीत परिस्थितियां झेलनी पड़ रही हैं। लावरोव की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच हंगरी में होने वाली एक संभावित शिखर वार्ता के प्रयास असफल रहे। यह वार्ता 15 अगस्त को अलास्का के एंकोरेज में दोनों नेताओं की बैठक के बाद आगे बढ़ने वाली थी, लेकिन यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने पर कोई समझौता नहीं हो सका था।

लावरोव ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिए इंटरव्यू में कहा, अमेरिकियों ने तब (एंकोरेज शिखर बैठक के दौरान) हमें आश्वासन दिया था कि वे सुनिश्चित करेंगे कि जेलेंस्की शांति की दिशा में बाधा नहीं डालेंगे। जाहिर है, इस मुद्दे पर कुछ कठिनाइयां पैदा हो गई हैं।

उन्होंने आगे कहा, जहां तक हम जानते हैं, ब्रसेल्स और लंदन अब वॉशिंगटन को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि संकट को राजनीतिक और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने की मंशा को त्याग दे और रूस पर सैन्य दबाव डालने की कोशिशों में पूरी तरह से शामिल हो जाए। यानी संघर्ष समर्थक दल का हिस्सा बन जाएं।

लावरोव ने यह भी कहा कि एंकोरेज सम्मेलन में हुए समझौते के बावजूद, मॉस्को अपने बुनियादी सिद्धांतों पर कायम है। रूस की क्षेत्रीय अखंडता और क्रीमिया, डोनबास व नोवोरोसिया के निवासियों की पसंद पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, हम अब अमेरिका से इस बात की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि एंकोरेज समझौते अभी भी प्रभावी हैं। पुतिन कई बार यह कह चुके हैं कि रूस सिर्फ दीर्घकालिक समाधान का समर्थन करता है, न कि अस्थायी युद्धविराम का। उनका मानना है कि ऐसा समाधान तभी संभव है जब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान किया जाए।

इसी बीच, रूसी सेना ने यूक्रेन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों पोक्रोव्स्क (क्रास्नोआर्मेइस्क) और कुपियांस्क पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं, जहां लगभग 10,000 यूक्रेनी सैनिक और नाटो सलाहकार घिरे हुए हैं।

ब्रिटेन ने बेल्जियम भेजे सैन्य उपकरण और विशेषज्ञ : ब्रिटेन ने बेल्जियम के हवाई अड्डों के पास ड्रोन देखे जाने की घटनाओं के बाद वहां सैन्य विशेषज्ञों और सैन्य उपकरणों को भेजा है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ब्रसेल्स के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यूरोप के सबसे बड़े कार्गो केंद्रों में से एक- लीज हवाई अड्डे को ड्रोन देखे जाने की वजह से अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था।

यह घटनाएं उस समय हुईं जब अमेरिकी परमाणु हथियारों वाले एक सैन्य अड्डे के पास भी अज्ञात ड्रोन उड़ानें देखी गईं। ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख एयर चीफ मार्शल रिचर्ड नाइटन ने बीबीसी से कहा कि बेल्जियम के अनुरोध पर ब्रिटेन ने अपने लोग और उपकरण बेल्जियम भेजने का फैसला किया है ताकि हम उनकी मदद कर सकें। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, और बेल्जियम को भी अभी तक पता नहीं है कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं, लेकिन हम अपनी तकनीकी क्षमता और उपकरणों के साथ उनकी सहायता कर रहे हैं। यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

गाजा संघर्ष पर मिस्र और कतर का साझा संकल्प, सीजफायर को स्थायी बनाने की कोशिशें तेज

काहिरा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति योजना के तहत गाजा पट्टी और इजरायल के बीच युद्ध विराम के बाद गाजा में शुरुआती पुनर्निर्माण और राहत कार्यों को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। इस बीचगाजा पट्टी में युद्धविराम को मजबूत करने और स्थायी शांति की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेशमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने बातचीत की। दोनों नेताओं ने इस दिशा में मिलकर काम जारी रखने का संकल्प जताया। साथ ही वेस्ट बैंक की स्थिति पर चिंता जताईकी। दोनों नेताओं ने इजरायल द्वारा किए जा रहे सभी अवैध बस्तियों के विस्तार और लगातार हो रहे उल्लंघनों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम शांति की संभावनाओं को कमजोर करते हैं और तनाव को बढ़ाते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मिस्र के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान का हवाला देते हुए कहा कि फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने गाजा को लेकर चल रही ताजा राजनीतिक हलचलों और अमेरिकी राष्ट्रपति की शांति योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने जोर दिया कि वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के बीच एकता बनाए रखना बेहद जरूरी है ताकि फिलिस्तीनी क्षेत्रों की भौगोलिक और राजनीतिक अखंडता बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी जनता को अपने मामलों का संचालन स्वयं करना चाहिए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में एकता बनाए रखनी चाहिए। बातचीत के दौरान गाजा में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चल रही परामर्श प्रक्रिया पर भी विचार किया गया। मिस्र और कतर दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल की भूमिका और अधिकार स्पष्ट रूप से तय होने चाहिए ताकि गाजा में शुरुआती पुनर्निर्माण और राहत कार्य प्रभावी रूप से आगे बढ़ सकें। इजरायल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बाद 10 अक्टूबर को युद्धविराम पर सहमति बनी थी। इस बहुप्रतीक्षित समझौते में मिस्र, कतर, तुर्की और अमेरिका ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित शांति योजना के अनुसार, गाजा में सुरक्षा की जिम्मेदारी धीरे-धीरे इजरायली सेना को हटाकर एक अस्थायी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल को सौंपी जाएगी। वाशिंगटन इस बल में मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, इंडोनेशिया, तुर्की और अजरबैजान जैसे देशों की भागीदारी को लेकर चर्चा कर रहा है।

आसिम मुनीर कैसे पाकिस्तान में कर रहे 'साइलेंट तख्तापलट', फिर लौटा 50 साल पुराना खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों चुपचाप बहुत कुछ बदल रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद फील्ड मार्शल बन गए। फिर उनकी वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होती है और दोनों देशों के बीच संबंध अचानक बदल जाते हैं। पीएम शहबाज शरीफ से ज्यादा आसिम मुनीर को तवज्जो मिलने से साफ था कि उनका कद अब आर्मी चीफ से कहीं ज्यादा है। भले ही परदे के पीछे से वह काम कर रहे हैं, लेकिन वही वास्तविक सरकार हैं। अब तो पाकिस्तान में संविधान में ही एक बदलाव हो रहा है, जिसकी तुलना साइलेंट तख्तापलट से की जा रही है और कहा जा रहा है कि इसके बाद तो हर तरह से सुप्रीम पावर आसिम मुनीर ही होंगे। पाकिस्तान में पहले भी सैन्य शासन आते रहे हैं, लेकिन इस बार आसिम मुनीर राजनीतिक नेतृत्व को मोहरा बनाए रखते हुए सत्ता चलाने की जुगत में हैं। इसी के तहत पाकिस्तान के संविधान में 27वां संशोधन कराया जा रहा है और इस पर संसद में वोटिंग होनी है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस संशोधन के जरिए संविधान के अनुच्छेद 243 को बदला जाएगा। इससे पूरी पावर ही आसिम मुनीर के हाथ होगी। वह थल सेना, नेवी और एयरफोर्स के जॉइंट चीफ होंगे। परमाणु हथियार उनके ही कंट्रोल में होंगे और फील्ड मार्शल का जो पद उन्हें मिला है, उसे संविधान में स्थायी कर दिया जाएगा।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद ही खत्म, पूरी पावर मुनीर के हाथ : डॉन की एक खबर के अनुसार यदि ये बदलाव हुए तो फिर पाकिस्तान में सेना प्रमुख ही सुप्रीम कमांडर होगा। पाकिस्तान में जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन साहिर शमशाद मिर्जा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अब यह पद ही खत्म कर दिया जाएगा और उनकी शक्तियां भी फील्ड मार्शल के पास होंगी। इस तरह सर्वेसर्वा आसिम मुनीर हो जाएंगे। इसका सीधा अर्थ होगा कि आसिम मुनीर ही थल सेना के चीफ होंगे और उनका ही नेतृत्व एयरफोर्स और नेवी में भी होगा। संविधान में इन बदलावों को लेकर पाकिस्तान में जिया उल हक के दौर वाला खौफ है।

मलयेशिया के पास रोहिंग्या शरणार्थियों को ले जा रही नाव पलटी, सात लोगों की मौत; 13 को बचाया गया

कुआलालंपुर, एजेंसी। म्यांमार से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव हिंद महासागर में थाईलैंड और मलयेशिया की समुद्री सीमा के पास पलट गई। राहतकर्मियों ने सात शव बरामद किए और 13 लोगों को जीवित बचा लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मलयेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारी फर्स्ट एडमिरल रोमली मुस्तफा ने बताया कि शुरुआत में पता चला है कि नाव म्यांमारके रखाइन प्रांत के बुथिडॉन्ग शहर से करीब तीन सौ लोगों को लेकर रवाना हुई थी। पुलिस और समुद्री एजेंसी ने कहा कि जब नाव मलयेशिया के पास पहुंची, तो यात्रियों की तीन छोटी नांवों में बांट दिया गया। इनमें से एक नाव गुरुवार को थाईलैंड के दक्षिण हिस्सो हिस्से में तारुताओ द्वीप के पास डूब गई। कुछ शव और बचे हुए लोग मलेशिया के उत्तरी हिस्से के लंगकावी द्वीप तक बहकर आ गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना का सही समय और स्थान अभी पता नहीं चल पाया है। बाकी दो नावों का भी अब तक कुछ पता नहीं है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उत्तरी मलयेशिया के केदाह राज्य के पुलिस प्रमुख अदजली अबू शाह ने कहा कि बचाए गए लोगों में कुछ रोहिंग्या मुसलमान हैं, जो म्यांमार में लंबे समय से उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। रोमली मुस्तफा ने चेतावनी दी कि सीमा पार गिरोह अब खतरनाक समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हुए प्रवासियों का शोषण करने में अधिक सक्रिय हो गए हैं। समुद्री एजेंसी ने बताया कि शनिवार को बचाव दल ने समुद्र से 10 प्रवासियों को जिंदा निकाला और एक महिला का शव बरामद किया। रविवार को छह और शव मिले और तीन और लोगों को जीवित बचाया गया। एजेंसी ने कहा कि खोज का दायरा बढ़ा दिया गया है और सोमवार को भी तलाश जारी रहेगी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने क्षेत्रीय सरकारों से अपील की है कि वे खोज और बचाव अभियानों को तेज करें और ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए कदम उठाएं।

यूएनएचसीआर के प्रवक्ता डिओगो अलकांतारा ने बताया कि इस साल अब तक करीब 5,200 रोहिंग्या शरणार्थी खतरनाक समुद्री यात्राओं पर निकले हैं, जिनमें से लगभग 600 लोग लापता या मृत बताए जा रहे हैं। जनवरी में मलयेशियाई अधिकारियों ने दो नावों को देश में प्रवेश करने से रोक दिया था, जिनमें करीब 300 रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थी सवार थे। ये लोग अवैध रूप से मलयेशिया में घुसने की कोशिश कर रहे थे। मलयेशिया मुस्लिम बहुल देश होने के कारण रोहिंग्या प्रवासियों का पसंदीदा गंतव्य माना जाता है। मलयेशिया पहले मानवीय आधार पर कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दे चुका है। लेकिन अब वह उनकी संख्या सीमित करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि लोगों के बड़े पैमाने पर नावों से आने का खतरा बढ़ गया है। मलयेशिया में वर्तमान में यूएनएचसीआर के साथ पंजीकृत लगभग 1,17,670 रोहिंग्या शरणार्थी हैं, जो देश की कुल शरणार्थी आबादी का लगभग 59 फीसदी हिस्सा हैं।

दिल्ली के लाल किला विस्फोट का असर, ईडन गार्डन्स में भारत-अफ्रीका मैच से पहले सुरक्षा घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हुए संदिग्ध आतंकी हमले के मद्देनजर, 14 नवंबर से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट से पहले कोलकाता के ईडन गार्डन्स को %हाई अलर्ट% पर रखा गया है। सोमवार शाम लाल किले के पास हुए एक कार विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। यह पुष्टि करने के लिए जाँच चल रही है कि विस्फोट जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश। लेकिन देश के प्रमुख शहर इसे आतंकी हमले की तरह मान रहे हैं और प्रमुख दर्शनीय स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रिपोर्ट आने के तुरंत बाद, राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में भी दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच 2025-26 रणजी ट्रॉफी मैच के अंतिम दिन के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। ईडन गार्डन्स के आसपास के इलाके और पश्चिम बंगाल विधानसभा, राजभवन, कलकत्ता उच्च न्यायालय और आकाशवाणी जैसे प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठान सुरक्षा व्यवस्था के केंद्र में हैं। रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के ठहरने वाले होटलों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जबकि बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर का कालीघाट मंदिर का प्रस्तावित दौरा स्थगित किया जा सकता है।

ईडन गार्डन्स में, बाहरी परिधि, प्रवेश द्वार और दर्शक दीर्घाओं को कवर करते हुए एक व्यापक त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरा लागू किया जा रहा है। स्टेडियम के अंदर और आसपास हर गतिविधि पर कड़ी नज़र रखी जाएगी और हैंडहेल्ड स्कैनर और मेटल डिटेक्टरों का उपयोग करके प्रवेश की गहन जाँच की जाएगी। आयोजन स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। बैग या प्रतिबंधित वस्तुओं के साथ प्रवेश सख्त वर्जित रहेगा।

भारत-दक्षिण सीरीज 14 से, शुभमन सहित युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

सचिन, विराट सहित इन पांच खिलाड़ियों के नाम हैं सबसे अधिक रनों के रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो इसमें सबसे अधिक रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। वहीं विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं बाकि तीन खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल 25 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने 1741 रन बनाए। उनका औसत 42.46 का रहा, जो उनके स्थिर प्रदर्शन और निरंतरता को दिखाता है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कैलिस ने भारत के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों में 1734 रन बनाये, और उनका औसत 69.36 का रहा। कैलिस अपने समय के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने कठिन हालातों में भी अपनी टीम को संभाला। वहीं तीसरे स्थान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के ही अनुभवी बल्लेबाज हाशिम अमला। अमला ने भारत के खिलाफ 21 टेस्ट मैच खेले और 43.65 की औसत से 1528 रन बनाए। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अब तक 16 टेस्ट मैचों में 54.15 की औसत से 1408 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन है, जो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही लगाया था। यह स्कोर कोहली के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है।

वहीं पांचवें पायदान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स। उन्होंने भारत के खिलाफ 20 टेस्ट मुकाबलों में 1334 रन बनाए और उनका औसत 39.23 रन रहा है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये रहे हैं। इन दिग्गजों के कारण ही भारत-दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले रोमांचक रहे हैं। अब देखना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर इन दिग्गजों की तरह खेल पाते हैं या नहीं।

धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ सकते हैं : कैफ

– वह सीएसके को योग्य हाथों में सौंपना चाहते हैं

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होते हैं तो महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ देंगे। कैफ के अनुसार धोनी चाहते हैं कि सैमसन टीम में आयें क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम को कप्तान के तौर पर संभाल सकते हैं।

सीएसके और राजस्थान रायल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर संभावित कारार की चर्चा जोरों पर है। इसी के बीच ही कैफ ने ये बात कही है। आईपीएल 2025 में रायल्स की कप्तानी करते नजर आए सैमसन पर सीएसके की नजरें बनी हुई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स संजू सैमसन के बदले में सीएसके से रविंद्र जडेजा और सैम करन को लेना चाहती है। दोनों टीमों के बीच अभी करार पूरा नहीं हुआ है। कैफ के अनुसार सैमसन सुपर किंग्स में शामिल होते हैं तो धोनी का ये अंतित सत्र हो सकता है। कैफ ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी चाहते हैं कि संजू सैमसन सीएसके के साथ जुड़े। उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा होता है तो धोनी आराम से आईपीएल से दूरी बना सकते हैं क्योंकि तब टीम का नेतृत्व संजू के रूप में एक ऐसे खिलाड़ी के हाथ में रहेगा जो लंबे समय तक कमान संभाल सकता है।

कैफ के मुताबिक धोनी साल 2022 में जडेजा जैसे अनुभवी को कप्तानी सौंपकर आराम करना चाहते थे पर वह प्रयोग सफल नहीं रहा। जडेजा की कप्तानी में सीएसके ने शुरुआती 8 मैच में सिर्फ 1 में जीत हासिल की थी। उसके बाद धोनी को फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी। कैफ ने जडेजा के कार्यकाल को याद करते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने साल 2008 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी । अब अगर सैमसन टीम और प्रबंधन के साथ सही से ढल जाते हैं तब धोनी उन्हें कप्तानी सौंप सकते हैं।

अर्शदीप और कुलदीप को बाहर रखने का गंभीर ने कारण बताया

कोच के तौर पर अंतिम ग्यारह का चयन ही मेरे लिए सबसे कठिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल नहीं किये जाने पर कई सवाल उठे हैं। प्रशंसकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों ने भी इन दो खिलाड़ियों की अनदेखी पर नाराजगी जतायी थी। कुलदीप को तो टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली। अब इसी मामले पर भारतीय टीम के मुख्य कोच कोच गौतम गंभीर का जवाब आया है। गंभीर का एक वीडियो आया है। इसमें उन्होंने कहा कि एक कोच के रूप उनके लिए अंतिम ग्यारह का चयन ही सबसे कठिन काम है। गंभीर ने कहा कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ काफी अच्छी है पर अंतम में केवल 11 खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है।

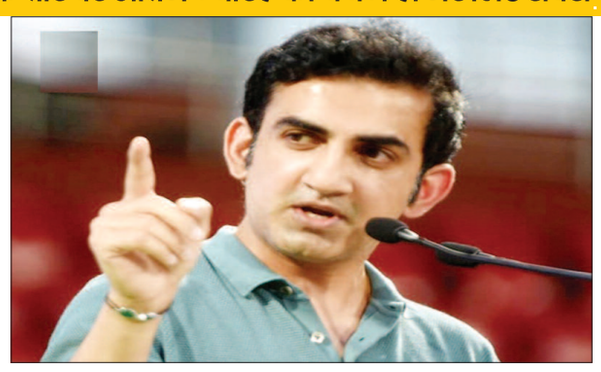

गंभीर ने कहा, एक कोच के तौर पर मेरे लिए यही सबसे मुश्किल काम है और यही मेरा सबसे मुश्किल काम है। कभी-कभी, जब मुझे पता होता है कि बेंच पर इतने अच्छे खिलाड़ी बैठे हैं और मुझे पता है कि हर कोई अंतिम ग्याहर का हिस्सा बनने का अधिकारी है, तब भी आप केवल 11 खिलाड़ियों को ही चुन सकते हैं, तब यही देखा जाता है कि यह उस दिन काम करने के लिए सबसे बेहतर संयोजन क्या होगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरे लिए, सबसे महत्वपूर्ण बात बातचीत और संवाद है। संवाद बहुत स्पष्ट और ईमानदार होना चाहिए। कभी-कभी, ज़ाहिर है, ये बातचीत बहुत कठिन होती है। अगर आप किसी को बताते हैं कि वह नहीं खेल रहा है, तो यह कोच और खिलाड़ी दोनों के लिए शायद सबसे मुश्किल होता है, क्योंकि मुझे पता है कि खिलाड़ी तब नाराज़ होगा जब वह अंतिम ग्याहर का हिस्सा बनने का अधिकारी होगा।

गंभीर ने भारतीय ड्रेसिंग रूम के अंदर सकारात्मक और पारदर्शी माहौल पर भी जोर दिया और जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और कोचों के बीच बातचीत निजी ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, न अगर आप ईमानदार हैं, अगर आप स्पष्टवादी हैं, अगर आप जानते हैं कि आप जो कह रहे हैं वह दिल से है और उससे आगे कुछ नहीं है, तो कुछ खिलाड़ी समझ जाते हैं। और यही एक खिलाड़ी और कोच के बीच का संवाद है, और मुझे लगता है कि इसे यहीं रहना चाहिए, बजाय इसके कि लोग इसके बारे में शोर मचाएँ और अलग-अलग धारणाएं बनाएं।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा स्थित अपने घर पहुंचेगी

आगरा (एजेंसी) । । विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा में अपने घर पहुंचेगी । दीप्ति का आगरा पहुंचने पर भव्य स्वागत होगा । उनके घर पर भी स्वागत की तैयारियां चल रही हैं । दीप्ति का स्वागत करने के लिए जिला क्रिकेट संघ ने भी खासी तैयारी की है । एक रोड शो भी रखा गया है । यह रोड शो शहर के कई क्षेत्रों से गुजरेगा । रोड शो की शुरुआत सिकंदरा के आवास विकास स्थित भावना क्लार्क्स इन होटल के सामने से होगी । यहां से दीप्ति का रोड शो आगे बढ़ेगा । अंत में यह रोड शो स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी पहुंचेगा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि रोड शो के दौरान विभिन्न जगहों पर दीप्ति का स्वागत होगा । लोग फूल बरसाकर और तालियां बजाकर अपनी खुशी प्रकट करेंगे । दीप्ति के स्वागत के लिए घर को भी सजाया गया है । घर की दीवारों पर नई पेंटिंग हुई है । आकर्षक लाइटें लगाई जा रही हैं । दीप्ति के माता–पिता भी बहुत खुश हैं । उन्होंने कहा, बेटी के आने का सभी को इंतजार है । घर में उत्साह का माहौल है । हम सब बहुत उत्साहित हैं ।

कीली बन सकते हैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहले स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच, बीसीसीआई से चल रही है बात

मुम्बई । नाथन कीली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहले विदेशी विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बन सकते हैं । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भर्तियां की हैं । वहीं अब बीसीसीआई की कीली से बात चल रही है । कीली अभी बांग्लादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच हैं । संभावना है कि उन्हें शीघ्र ही सीओई में शामिल किया जा सकता है । अभी भारतीय टीम की वर्तमान स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एआई हर्षा हैं । हर्षा ने विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी पर पता चला है कि बीसीसीआई उनको कोच की जगह कोई और जिम्मेदारी देना चाहता है । वहीं कीली बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के अलाव न्यू साउथ वेल्स की प्रथम श्रेणी टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया है । आम तौर पर सीओई से जुड़े व्यक्ति को ही महिला क्रिकेट टीम का स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बनाया जाता है ऐसे में कीली के पहले विदेशी कोच बनने की काफी उम्मीदें हैं ।

डब्ल्यूपीएल में खेलना चाहती है अनाया बांगर

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर भी महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) में खेलना चाहती है। अनाया ने सोशल मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसके बाद से ही ये चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं । उनके पिता संजय आरसीबी के कोच की भूमिका निभा चुके हैं लिहाजा उनको भी इस टीम से खेलने का अवसर मिल सकता है। जो वीडियो सामने आया है उसमें अनाया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) क्रिकेट किट बैग के साथ अभ्यास करती दिख रही हैं । इस वीडियो ने प्रशंसकों के बीच भारी अटकलें पैदा कर दी हैं कि वह आगामी महिला प्रीमियर लीग में महिला टीम में शामिल हो सकती हैं। कुछ दिन पहले ही अनाया ने घोषणा की थी कि वह अपने जेंडर रीअसाइनमेंट सर्जरी से पूरी तरह ठीक हो चुकी हैं और अब वह फ्रआर्यन नहीं बल्कि अनया के रूप में फ्र मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं । वह लंबे समय से खेल में वापसी को लेकर उत्साहित रही हैं । एक शो में भाग लेने के दौरान उन्होंने भावुक होकर कहा था, 'मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ूंगी और एक दिन मैं भारत के लिए विश्वकप जीतूंगी । ' इस पोस्ट से यह साफ होता है कि वह पेशेवर क्रिकेट में प्रवेश करने के लिए बेताब हैं पर बड़ा सवाल यह है कि क्या उन्हें महिला प्रीमियर लीग में खेलने की अनुमति मिलेगी, क्योंकि आईसीसी ने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया है ।

सौरव गांगुली ने कहा, भारत में भारत को चुनौती देना दक्षिण अफ्रीका के लिए पहाड़ जैसा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के लिए भारत के खिलाफ उसकी घरेलू परिस्थितियों में खेलना एक कठिन चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि भारत घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर मजबूत है और ईडन गार्डन्स में एक उच्च-स्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। भारत शुक्रवार से कोलकाता में शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। गांगुली ने कहा कि यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होगा, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि प्रोटियाज एक अच्छी टीम है और यह एक उच्च-स्तरीय मुकाबला होना चाहिए।

गांगुली ने जियोस्टार पर कहा कि पहला टेस्ट कुछ ही दिनों में कोलकाता में शुरू हो रहा है, और यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होने वाला है। भारत के खिलाफ भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता। भारत उपमहाद्वीप में एक बहुत ही मज़बूत टीम है, और आजकल विदेशों में भी एक मज़बूत टीम है। मैं ईडन गार्डन्स में होने वाले टेस्ट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। दक्षिण अफ्रीका एक अच्छी टीम है, इसलिए यह एक उच्च-स्तरीय मुकाबला होना चाहिए।

शुभमन गिल की अगुवाई में, भारत अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत इंग्लैंड के विदेशी दौरे और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से करने के बाद घरेलू श्रृंखला में प्रवेश कर रहा है। इस बीच, टेम्बा बावुमा की दक्षिण अफ्रीका टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद यहाँ पहुँच रही है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पाँच मैचों की टेस्ट सीरीज़ 2-2 से ड्रॉ खेली, जहाँ गिल ने 75.40 की असाधारण औसत से 754 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल हैं।

इंग्लैंड सीरीज़ के बाद, भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज़ पर 2-0 से क्लीन स्वीप किया। कोलकाता में शुरुआती टेस्ट के बाद, सीरीज़ गुवाहाटी में स्थानांतरित हो जाएगी, जहाँ दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टेस्ट मैचों के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी, जिसमें वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली के मैदान पर वापसी की उम्मीद है। यह दौरा पाँच मैचों की टी20आई सीरीज़ के साथ समाप्त होगा, जो अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए बहुमूल्य तैयारी का अवसर प्रदान करेगा।

सैमसन गये तो यशस्वी या जुरेल को मिल सकती है रॉयल्स की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स छोड़ने की अटकलें हैं। माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2026 में किसी और टीम से उतरेंगे। अगर ऐसा हुआ तो रॉयल्स की कप्तानी किसको मिलेगी ये सवाल भी उठ रहा है। रॉयल्स के पास ऐसे में परेशानी नहीं है। उसके पास रियान पराग और यशस्वी जायसवाल व ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी हैं जो कप्तानी संभाल सकते हैं।

पराग ने आईपीएल 2025 में कई मैचों में कप्तानी की थी पर इस समय उन्हें शायद ही अवसर मिले क्योंकि उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खास नहीं रहा था। रियान की फॉर्म कप्तानी में बहुत अच्छी नहीं थी। इसलिए उनकी दावेदारी लगभग खत्म हो चुकी है। ऐसे में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और जुरेल बचते हैं। यशस्वी और जुरेल में से किसी एक को रॉयल्स कमान दे सकती हे। इन दोनों को ही हालांकि कप्तानी का अनुभव नहीं है। यही दो खिलाड़ी इस समय कप्तानी के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। अन्य कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं लगता है, जिसे कप्तानी सौंपी जाए। फॉर्म के आधार पर देखा जाए तो इनसे बढ़िया फॉर्म किसी खिलाड़ी के पास नहीं है। नितीश राणा भी एक विकल्प हैं पर वे अगले महीने 32 साल के होने जा रहे हैं। इसके अलावा वे मौजूदा समय में भी क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। वहीं, ब्रांड वैल्यू के हिसाब से देखा जाए तो यशस्वी और जुरेल भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं।

कॉनवे, विजय शंकर और हुड्डा को बाहर करे सीएसके : रैना

जडेजा, धोनी को बरकरार रखे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम को डेवोन कॉनवे, विजय शंकर और दीपक हुड्डा को रिलीज कर देना चाहिये । वहीं अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को टीम में बनाये रखना चाहिये । रैना ने अगले माह होने वाली नीलामी को लेकर ये सुझाव सीएसके को दिये हैं । रैना के अनुसार जडेजा सीएसके में ही रहें । वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच ट्रेड डील पर बात चल रही है ।

इसके तहत ही रॉयल्स ने सैमसन के बदले जडेजा और सैम करन की मांग की है । सीएसके और रायल्स के बीच अभी तक करार पर कोई फैसला नहीं हुआ है । वहीं रैना ने कहा, स्पिनर नूर अहमद को बरकरार रखा जाना चाहिए । इकेस अलावा महेन्द्र सिंह धोनी को भी एमएस बरकरार रखें । वह आगामी सीजन में खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें टीम के साथ बने रहना चाहिए । ऋतुराज गायकवाड़ कप्तान बने रहना चाहिए । रवींद्र जडेजा को फिर से बरकारार रखना चाहिये । वह सीएसके के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं । उन्होंने पिछले कुछ सालों में टीम के लिए वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है । वहीं न्यूजीलैंड के कॉनवे और विजय शंकर वह दीपक को काफी अवसर मिले हैं और ये फायदेमंद नहीं रहे हैं । इसलिए इन्हें हटाया जाना चाहिये । इस पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा, कॉनवे को बाहर कर देना चाहिए । वहीं विजय शंकर को पहले ही काफी अवसर मिल चुके हैं । इसलिए मुझे लगता है कि सीएसके को उन्हें भी बाहर कर देना चाहिए । इसके अलावा हुड्डा को भी बाहर करें । मिनी नीलामी में कई ऐसे खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, जो टीम के लिए बेहतर संयोजन प्रदान कर सकते हैं । इन खिलाड़ियों को पिछले साल अवसर मिले थे और हमने देखा कि उन्होंने कैसा खेला । शायद सीएसके को किसी नए खिलाड़ियों की तलाश करनी होगी । गौरतलब है कि कॉनवे ने आईपीएल 2025 में सीएसके के लिए छह मैचों में 26 के औसत और 131.09 के स्ट्राइक रेट से 156 रन बनाए । वह निजी कारणों से कैंप छोड़कर स्वदेश लौट गए थे और चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहे । उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया था । विजय शंकर, 1.2 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइज़ी में आए थे । उन्होंने पांच पारियों में 39.33 के औसत और 129.67 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए । वहीं, सीएके ने हुड्डा को पिछले सत्र में 1.70 करोड़ रुपये में लिया था और सत्र में उनका प्रदर्शन खराब रहा । वह पांच पारियों में केवल 31 रन ही बना पाये थे ।

दमदार लय में सिराज ! बोले- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खुद को साबित करने को बेताब हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद सिराज ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि वह 14 नवंबर (शुक्रवार) से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं। सिराज, दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ, गत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चैंपियन के खिलाफ भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं। 31 वर्षीय हैदराबादी तेज गेंदबाज, जो वर्तमान में 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, घरेलू श्रृंखला में प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

सिराज ने कहा कि यह श्रृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत विजेता है। हालाँकि उन्होंने पाकिस्तान के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, हम अपने अच्छे फॉर्म से आश्वस्त हैं, हमने एक सकारात्मक माहौल बनाया, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। व्यक्तिगत रूप से, मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा हूँ और इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हूँ। मजबूत टीमों का सामना करने से सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है और मैं इस चुनौती के लिए वास्तव में उत्साहित हूँ।

सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने दोनों मैचों में 13 की असाधारण औसत से 10 विकेट लिए। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें भारत ने 2-2 से बराबरी की। भारतीय तेज गेंदबाज श्रृंखला में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, उन्होंने 23 विकेट लिए, जिसमें दो बार पांच विकेट और एक बार चार विकेट शामिल हैं। उन्होंने 1100 से अधिक गेंदें फेंकी, जो श्रृंखला में किसी भी गेंदबाज द्वारा फेंकी गई सबसे अधिक गेंदें हैं।

शुभमन गिल के नेतृत्व में, भारत ने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र की मजबूत शुरुआत की है, जिसमें उन्होंने खेले गए सात टेस्ट मैचों में से चार जीते हैं, दो हारे हैं और एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारत 61.90 के पीसीटी के साथ डब्ल्यूटीसी 2025-27 अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टेम्बा बावुमा के नेतृत्व में, दक्षिण अफ्रीका अपने डब्ल्यूटीसी 2025-27 अभियान की अच्छी शुरुआत के साथ श्रृंखला में उतरेगा, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ की थी। हालाँकि, भारत घरेलू धरती पर स्पष्ट पसंदीदा के रूप में शुरुआत करेगा।

ऋचा घोष के नाम पर सिलीगुड़ी में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम

कोलकाता । महिला विश्वकप विजेता क्रिकेट टीम की खिलाड़ी ऋचा घोष के नाम पर एक क्रिकेट स्टेडियम उनके गृहनगर सिलीगुड़ी बनने जा रहा है । राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है सिलीगुड़ी में बनने जा रहे स्टेडियम का नाम ऋचा घोष रखा जाएगा । विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋचा की महिला विश्वकप जीतने में अहम भूमिका रही थी । कप्तानी हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर जब से पहला आईसीसी खिताब जीत है तभी से खिलाड़ियों को इनाम दिये जाने के साथ ही उनका सम्मान भी हो रहा है । इसी कड़ी में ममता ने सिलीगुड़ी में कहा, 'ऋचा क्रिकेट स्टेडियम' चांदमणि टी एस्टेट में 27 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाएगा । यह बंगाल की एक खेल प्रतिभा, ऋचा को सम्मानित करने के साथही उत्तर बंगाल के युवा क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने का एक तरीका है।'' उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार यह परियोजना शीघ्र शुरू करेगी।'' घोष को इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया था ।

रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की

नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना अपनी फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रश्मिका ने फिल्म में भूमा नाम का किरदार निभाया है, जो उनके लिए बेहद खास है।

रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि जब निर्देशक राहुल रविंद्रन ने उन्हें पहली बार इस फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो वह इतनी भावुक हो गईं कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। स्क्रिप्ट के कई पल उनके दिल को गहरे छू गए। रश्मिका ने कहा कि ये कहानी और भावनाएं इतनी खास थीं कि उन्हें लगा जैसे वह इन्हें पहले भी महसूस कर चुकी हैं। उन्हें हैरानी हुई कि ये गहरी बातें एक मेल निर्देशक की सोच से आईं, जो आमतौर पर लोग समझ नहीं पाते।

रश्मिका ने आगे राहुल से हुई उनकी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि वह उस दिन दो चीजें लेकर लौटीं। पहली ऐसी स्क्रिप्ट, जिसे न पढ़ना गलत होगा और दूसरी जिंदगी भर का दोस्त। आगे रश्मिका ने फिल्म के निर्देशक राहुल रविंद्रन की तारीफ करते हुए कहा कि उनका दुनिया को देखने का नजरिया बहुत खूबसूरत है। वह उनसे मिलकर बहुत खुश और आभारी हैं। उनके जैसे लोग इस दुनिया में और होने चाहिए।

रश्मिका ने बताया कि भूमा उनके लिए बहुत खास है क्योंकि यह किरदार काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। भूमा को निभाते हुए उन्होंने खुद को बेहतर समझा। राहुल जब कोई सीन समझाते थे, तो वह बिना किसी सवाल के उसे समझ जाती थीं। रश्मिका का दिल प्यार, गर्व और खुशी से भरा है। वह चाहती हैं कि दर्शक भी वही महसूस करें, जो उन्होंने फिल्म बनाते वक्त किया। भूमा उनके लिए बहुत कीमती है, और वह चाहती हैं कि दर्शक उसे प्यार और समर्थन दें। आखिर में रश्मिका ने खुद को भूमा के रूप में साइन ऑफ करते हुए लिखा, कृपया भूमा की रक्षा करें, उसे प्यार दें और उसका साथ दें।

रश्मिका ने अभिनेता दीक्षित शेट्टी की तारीफ की और कहा कि यह उनके लिए बस शुरुआत है। उन्होंने विक्रम जैसे चुनौतीपूर्ण किरदार को इतनी जल्दी स्वीकार किया, जिस पर उन्हें गर्व है।

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' पर तोड़ी चुप्पी

इंस्टाग्राम सेशन के दौरान एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने फैंस से सीधा दिल की बात की — और जाहिर है, सबसे ज़्यादा सवाल उनके आने वाले मेगा प्रोजेक्ट टॉक्सिक को लेकर ही थे। गीथू मोहनदास के निर्देशन में और यश के साथ बनी इस फिल्म ने पहले ही रिलीज़ से पहले एक्साइटमेंट का मीटर हाई कर दिया है। जब एक फैन ने उनसे पूछा, टॉक्सिक से हमें क्या उम्मीद रखनी चाहिए?, रुक्मिणी ने बिना किसी हिचक के जवाब दिया — ये वैसा कुछ नहीं है जो हमने अब तक कन्नड़ या भारतीय सिनेमा में देखा हो। ये रॉ है, लेयर्ड है और इंसानियत की गहराइयों तक जाता है। गीथू की विज़न बोल्ड भी है और बहुत ह्यूमन भी। कांतारा-चैप्टर 1 में अपने दमदार अभिनय के बाद रुक्मिणी वसंत अब इंडियन सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी हैं। उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी इतनी मजबूत है कि हर नए प्रोजेक्ट के साथ उनका नाम और

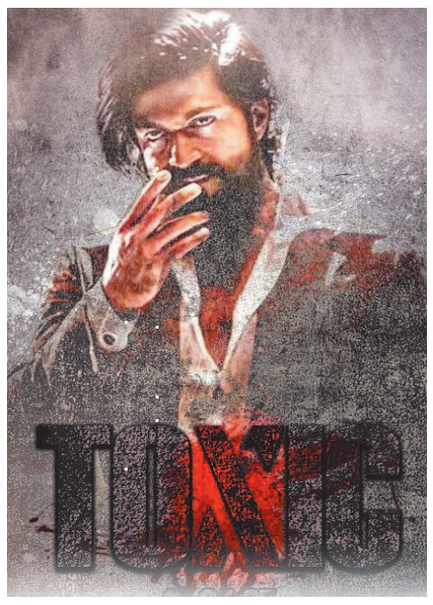

बड़ा होता जा रहा है। अब टॉक्सिक में, वो यश के साथ एक ऐसे किरदार में नजर आने वाली हैं जो क्रिएटिविटी और सिनेमाई सीमाओं को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। साथ ही, वो जल्द ही एनटीआर जूनियर और डायरेक्टर प्रशांत नील के साथ भी एक बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में हैं — जिस पर फैंस की नज़रें टिकी हैं।

फोर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा बने हर्षवर्धन

अभिनेता हर्षवर्धन राणे, जिनकी हालिया फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, अब फोर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं। फिल्म में एंट्री के बाद हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम के लिए एक खास बात लिखी है। हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर लिखा कि जॉन अब्राहम ने उन्हें फोर्स फ्रैंचाइजी को आगे ले जाने के लिए चुना है। हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम और ऊपरवाले का शुक्रिया अदा किया और कहा कि वे शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 में शुरू होगी। इससे पहले, हर्षवर्धन ने निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने दीवानियत बाय मिलाप जावेरी नाम की डायरी के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा कि अगर मिलाप उन्हें नई स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वे बिना सोचे साइन कर लेंगे।

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के बारे में

एक दीवाने की दीवानियत फिल्म देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले बनी है। इस फिल्म में हर्षवर्धन के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 21 अक्तूबर को दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी। यह एक राजनेता विक्रमादित्य और अभिनेत्री अदा के रिश्ते की कहानी है। फिल्म में शाद रंधावा, सचिन खेडेकर, अनंत नारायण महादेवन और राजेश खेड़ा भी हैं। इसके बाद, हर्षवर्धन ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे, जिसमें सादिया खतीब और खलनायक के रूप में करणवीर मेहरा भी होंगे।

भगवान परशुराम का किरदार निभाने के लिए शाकाहारी बनेंगे विक्की कौशल

विक्की कौशल जल्द ही अमर कौशिक के निर्देशन में बन रही फिल्म महावतार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। इस किरदार के लिए विक्की कौशल पूरी तरह सात्विक बनने वाले हैं। वो शाकाहारी खाना खाएंगे और शराब का सेवन भी नहीं करेंगे। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में एक्टर से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि महावतार जैसी फिल्म के लिए एक्टर विक्की कौशल और डायरेक्टर अमर कौशिक अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव कर रहे हैं। विक्की ने कैरेक्टर की तैयारी करने के लिए मांसाहारी खाना छोड़ने का फैसला किया है। अमर कौशिक ने पहले ही कुछ खाने की आदतें छोड़ दी हैं, जबकि विक्की कौशल अपने बदलाव 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी होने के बाद शुरू करेंगे। यह उनका भगवान परशुराम की भूमिका के प्रति सम्मान दिखाने का तरीका है।

2028 में रिलीज हो सकती है महावतार

फिल्म महावतार की शूटिंग अगले साल शुरू होने वाली है। फिलहाल विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हैं। फिल्म लव एंड वॉर 2026 में रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। इसके 2 साल बाद फिल्म महावतार 2028 में रिलीज हो सकती है। बता दें कि फिल्म महावतार से पहले विक्की कौशल हिस्टोरिकल फिल्म छावा में छत्रपति शंभाजी महाराज का किरदार निभाया था। ये किरदार भी काफी सराहा गया था।

महाकुंभ वाली मोनालिसा की अब साउथ सिनेमा में एंट्री

महाकुंभ मेले में माला बेचने वाली मोनालिसा सोशल मीडिया पर रातों-रात सनसनी बन गईं। अपनी खूबसूरत आंखों और नैन-नक्श की वजह से उन्हें बॉलीवुड से फिल्म तो मिली ही, अब खबर है कि उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख दिया है। अपने सांवले रंग, एम्बर आंखें, और लाजवाब नैन-नक्शन के कारण वो रातों रात सोशल मीडिया पर सनसनी बन गईं। वहीं अब मोनालिसा ने एक और ऊंची छलांग लगाई है। अब उन्हें गाने के साथ-साथ फिल्मों में भी मौका मिला है। बताया जा रहा है कि मोनालिसा बॉलीवुड में पहली फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर कर चुकी हैं जिसका निर्देशन सनोज मिश्रा ने किया है। फिल्म में मोनालिसा ने एक आर्मी ऑफिसर की बेटी का किरदार निभाया है।

अब इसी के साथ मोनालिसा ने साउथ फिल्मों की तरफ कदम बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनालिसा अब तेलुगु की एक फिल्म करने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि तेलुगू फिल्म लाइफ में एक्टिंग करती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने मीडिया से मुलाकात और बातें भी की, जिसका वीडियो सामने आया है। अब इससे जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आ रहे हैं। बताया ये भी जा रहा है कि ये एक पैन इंडिया फिल्म होगी जिसमें मोनालिसा, क्रश और इट्स ओके गुरु जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हीरो चरण साईं के साथ नजर आनेवाली हैं।

इस फिल्म का निर्माण श्री वेंगमम्बा मूवीज के बैनर तले अंजैया उदिनीने और उषा उदिनीने कर रहे हैं।

रानी भारती वो रोल है जिसने मेरी जिंदगी बदली

मेरे लिए कोई नहीं बना रहा बड़े बजट की फिल्में

हुमा कुरैशी हिंदी सिनेमा का एक मजबूत हस्ताक्षर हैं। अपनी अदायगी की चमक उन्होंने पहली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में ही बिखेर दी थी। फिर ओटीटी पर महारानी बनकर दमखम दिखाया। इस शो का चौथा सीजन जल्द आ रहा है। इसके बावजूद, हुमा कहती हैं कि उन्हें वे बड़े या बेहतर मौके नहीं मिलते जो उनकी प्रतिभा के साथ न्याय कर सकें। इसलिए, वह खुद निर्माता बनकर अपने मन की कहानियां सुनाने भी निकल पड़ी हैं।

इस साल आपने अभिनय से एक कदम आगे बढ़ाते हुए फिल्म प्रॉडक्शन में भी कदम रखा। निर्माता बनने का ख्याल कैसे आया?

निर्माता बनने का ख्याल ऐसे आया कि ये इंडस्ट्री बहुत सारे मौके आपको देती नहीं है। मैंने इतना सारा काम कर लिया, फिर भी मुझे अब भी बहुत जगहों पर रोक दिया जाता है या मेरे पास वें फिल्में नहीं आतीं। आप मेरी फिल्मोग्राफी देख लो, मैंने उन फिल्मों से प्यार पाया है जो शायद कोई और नहीं करना चाहता था। ऐसा नहीं है कि मुझे बेस्ट मौके मिल रहे हैं या मेरे लिए कोई बहुत बड़े बजट की फिल्में बन रही हैं। मुझे जो मौका मिलता है, मैं उसमें छक्का मारती हूं, लेकिन यह बहुत फ्रस्ट्रेटिंग होता है कि आपको लगता है कि मैं कर सकती हूं मगर सामने वाला आपको वो मौके देगा नहीं तो घर बैठकर आप थोड़ी ऐक्टिंग दिखाओगे। इसलिए, मैंने सोचा कि इसे लेकर रोने-पीटने से बेहतर है कि अपनी किस्मत अपने हाथ में लो और जो हम चाहते हैं, वे फिल्में बनाएं तो मैंने और साकिब (ऐक्टर भाई साकिब सलीम) ने मिलकर यह कंपनी शुरू की है। **आप यश के साथ साउथ की फिल्म टॉक्सिक भी कर रही हैं। आपके हिसाब से साउथ के मेकर्स क्या सही कर रहे हैं, जो बॉलिवुड को सीखना चाहिए?**

वे अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियां बना रहे हैं। अपने लोगों की कहानियां बना रहे हैं। वे पश्चिम से प्रभावित होकर उनके जैसा सिनेमा नहीं बना रहे हैं। जबकि, हमारे यहां सबकुछ है पर हमारी ऑडियंस कौन है, वो हमें पता नहीं है।

आपकी लेटेस्ट फिल्म सिंगल सलमा लड़कियों पर शादी के दबाव को दिखाती है। कभी आपको किसी ने शादी को लेकर ऐसी सलाह दी कि उम्र निकल रही है?

पर्सनल तौर पर तो याद नहीं, मगर हमारे समाज में लड़कियों पर शादी का दबाव होता ही है। 25 के बाद शादी कब होगी, ये बहुत बड़ा मसला होता है कि भई शादी की उम्र हो गई। जैसे आप कोई दूध का डब्बा या फल हो कि जल्दी नहीं बिका तो बासी हो जाएगा और फेंकना पड़ेगा। हमें लड़कियों को एक बोझ, एक सामान की तरह ट्रीट करना बंद करना चाहिए।

चर्चा तेज है कि आप खुद भी अपना सिंगल स्टेटस छोड़कर जल्द मिंगल होने वाली हैं?

आपने सिंगल और मिंगल को बड़ी खूबी से मिलाया है, मगर मैं अपनी प्राइवेट जिंदगी के बारे में जवाब देना नहीं चाहूंगी। वह मेरी निजी जिंदगी है, तो उसे प्राइवेट और पर्सनल रहने देते हैं।

वेब सीरीज डेल्ही क्राइम 3 में आप बड़ी दीदी का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। वह नेगेटिविटी खुद में लाना कितना मुश्किल था?

बहुत ही ज्यादा मुश्किल था। एक तो मैं पहली बार नेगेटिव करैक्टर निभा रही हूं। उस पर यह बहुत ही ज्यादा नेगेटिव किरदार है। वह बहुत ही बुरी है, तो इसे करते हुए मेरे अंदर काफी अंतरद्वंद रहा, क्योंकि मैं गर्ल एंपावरमेंट में यकीन करती हूं और यह गर्ल ट्रैफिकिंग का मुद्दा है लेकिन मैंने कहीं पढ़ा था कि कुछ चीजें सोसायटी में एग्जिस्ट करती हैं और एक कलाकार के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस पर रोशनी डाले, तो हुमा कुरैशी के यह किरदार निभाने से अगर यह मुद्दा या शो बड़ा बनता है और उस पर चर्चा होती है तो खुशी-खुशी करना चाहूंगी।

महारानी, तरला, डबल एक्सेल या हाल ही में आई सिंगल सलमा, आपके ये सभी प्रॉजेक्ट लड़कियों से जुड़े अहम मुद्दे उठाते हैं...

(बीच में) मैं हिंदुस्तान की लड़कियों, औरतों, महिलाओं के लिए ही कहानी बना रही हूं। मैं एक ऑल गर्ल सुपरस्टार बनना चाहती हूं। ये मेरा सपना है। मैं हमारी (लड़कियों की) कहानियां, हमारी दिक्कतें, हमारी चीजों को लेकर कहानियां बनाना चाहती हूं जो बाकी लोग नहीं बना रहे हैं।

आप पिछले 5 सालों से रानी भारती को लगातार जी रही हैं। इस शो का अपने जीवन और करियर में क्या योगदान मानती हैं?

रानी भारती वह रोल है जिसने मेरी जिंदगी बदली है। जितना प्यार मुझे रानी भारती के लिए मिला है, बहुत कम ऐक्टर वो प्यार और सक्सेस देख पाते हैं। इसका चौथा सीजन आ रहा है, जो अपने में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि जब हमने 2021 में शुरुआत की थी, तब ज्यादा लोगों ने हम पर भरोसा नहीं किया था। व्यक्तिगत तौर पर भी रानी भारती की वजह से मैं ज्यादा मजबूत और वोकल हुई हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।